पटना ● सोमवार, 03 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः145 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

मारवाड़ी युवा मंच व सृष्टि शाखा... 3 | www. bordernewsmirror.com | प्रीति जिंटा ने 1974 को ... 8

ओडिशा और बंगाल में 4 जून के बाद भी रुकें सुरक्षा बल

● चुनाव बाद हिंसा को रोकने के लिए ईसी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव अब भले ही खत्म हो गए हों लेकिन उनके बाद भी किसी तरह की हिंसा या उपद्रव की स्थिति ने बने इसे लेकर चुनाव आयोग ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। आयोग ने पश्चिम

बंगाल और ओडिशा में 4 जून को होने वाली मतगणना के बाद भी 15 दिनों तक पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश को मतगणना के बाद लगभग 48 घंटो तक सुरक्षा बल उपलब्ध कराने के भी सख्त आदेश हैं। बता दें की चुनावों के दौरान हिंसा के मामले सामने आए थे,जहां चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश की गई।

रवीना का मारपीट के आरोप लगाने वाली महिला से समझौता

● दावा-ड्राइवर को भीड़ से बचाने के दौरान हाथापाई हुई, एक्ट्रेस नशे में नहीं थीं

मुंबई (एजेंसी)। शनिवार रात को हुई एक घटना में एक्ट्रेस रवीना टंडन और उनके ड्राइवर पर शराब के नशे में एक बुजुर्ग महिला से मारपीट करने के आरोप लगे थे। पुलिस के सूत्रों की मानें तो दोनों पक्षों के बीच अब समझौता हो गया है। दोनों पक्षों की तरफ से यह लिखित में दिया गया है कि उन्हें अब एक-दूसरे से कोई शिकायत नहीं है। यह भी जानकारी मिली है कि घटना के वक्त रवीना नशे में नहीं थीं। सीसीटीवी फुटेज में भी साफ नजर आ रहा है कि रवीना की कार से किसी को कोई चोट नहीं लगी है। बल्कि भीड़ रवीना के घर के अंदर तक घुसी थी और वहां दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। बताया जा रहा है कि रवीना और उनके ड्राइवर के ऊपर भीड़ आक्रामक हो गई थी जिसके बाद रवीना ने अपने ड्राइवर को बचाने की कोशिश की और

इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई। इससे पहले पीड़िता के बेटे ने दावा किया था कि मुंबई के बांद्रा में कॉलेज के पास उनकी मां को रवीना की गाड़ी से चोट लग गई।

बद्रीनाथ धाम में भक्तों को अब नहीं मिलेगी वन तुलसी

औषधीय गुणों से है भरपूर यह औषधि, अब विलुप्ति के कगार पर

देहरादून (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में दर्शन करने को जा रहे तीर्थ यात्रियों को जोरदार झटका लग सकता है। उत्तराखंड में मौसम के बदलाव का असर अब ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी साफतौर से देखने को मिल सकता है।

मौसम में आ रहे बदलाव से औषधीय गुणों से भरपूर बदरीनाथ धाम में स्वतः उगने वाली वन तुलसी अब विलुप्ति के कगार पर है। प्रसाद बेचने वाले अब लामबगड़, हनुमान चट्टी, पांडुकेश्वर, बडागांव और उदगम घाटी से वन तुलसी के पत्ते मंगवाकर माला तैयार कर रहे हैं। 10500 फिट की ऊंचाई पर स्थित बदरीनाथ धाम में पाई जाने वाली वन तुलसी की माला से भगवान बदरी विशाल का श्रृंगार किया जाता है। इस वर्ष भी बदरीनाथ धाम और आस पास

के जंगलों में तुलसी काफी कम मात्रा में उगी है। यहां पर वन तुलसी धीरे-धीरे विलुप्त हो रही है। बदरीनाथ में कई दशकों से तुलसी माला बेच रहे विनोद डिमरी का कहना है कि इस वर्ष धाम में तुलसी काफी कम मात्रा में उगी है। तुलसी माला बेचने वाले जोशीमठ क्षेत्र से तुलसी मंगवा रहे हैं। बदरीनाथ मंदिर के पूर्व धर्माधिकारी आचार्य भुवन उनियाल का कहना है कि भगवती वृंदा ही बदरीनाथ धाम में तुलसी के रूप में विराजमान हैं। वृंदा ही महालक्ष्मी हैं। बदरीनाथ उपवन सरक्षक सर्वेश कुमार दुबे कहना है कि जिस समय तुलसी उगनी शुरू होती है उस समय धाम में भारी बर्फबारी हुई थी। जिसके चलते इस वर्ष अभी तक तुलसी काफी कम उगी है। जबकि इससे पूर्व वर्षों में बर्फबारी दिसंबर-जनवरी माह में होती थी तो वन तुलसी के उगने का अवसर मिलता था लेकिन इस वर्ष फरवरी-मार्च माह में बर्फबारी हुई है। विदित हो कि 10 मई से शुरू चारधाम यात्रा में भारी संख्या में तीर्थ यात्री दर्शन करने को उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। केदारनाथ-गंगोत्री समेत चारों धामों में भक्तों की भारी भीड देखने को मिल रही है।

चुनाव की काउंटिंग से पहले ऐक्शन में प्रधानमंत्री मोदी

भीषण गर्मी को लेकर की बैठक, बाढ़ की भी की समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान संपन्न होने के अगले ही दिन रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पूर्वोत्तर के राज्यों में बाढ़ और देशभर में भीषण गर्मी की स्थिति की समीक्षा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इन बैठकों के बाद प्रधानमंत्री 100 दिन के कार्यक्रम के एजेंडे की समीक्षा के लिए एक लंबे मंथन सत्र में भी भाग ले रहे हैं। मालूम हो कि चार जून को लोकसभा चुनाव में पड़े वोटों की काउंटिंग होनी है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की सबसे पहली बैठक पूर्वोत्तर में चक्रवात रेमल के बाद उत्पन्न हुई बाढ़ की स्थिति को लेकर हुई। उन्होंने विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने देश में भीषण गर्मी और लू की स्थिति को लेकर हुई एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री

बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की तैयारियों की समीक्षा के लिए भी एक बैठक में शामिल होने वाले हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून को मनाया जाता है।

सरकार बनते ही बड़े फैसले लेंगे पीएम मोदी

चुनाव प्रचार में व्यस्त होने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियो को होमवर्क दे दिया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिनों के फैसलों का काम पूरा कर लिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को बता दिया था कि पहले 100 दिनों ही कई बड़े फैसले लिए जाएंगे। इसके लिए 2029 का इंतजार नहीं करना है। ऐसे में माना जा रहा है कि अधिकारियों ने पहले 100 दिन के मोदी सरकार के फैसलों का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। माना जा रहा है कि अगस्त 2024 तक सरकार बड़े फैसले लेगी। सरकार बनने के बाद जुलाई में यूनियन बजट पेश किया जाएगा। हालांकि अभी चुनाव का परिणाम आना बाकी है। चुनाव की वजह से इस बार फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया था। नई सरकार बनने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्कार और एनएसए अजित डोभाल की नियुक्ति हो सकती है। एक महीने के अंदर ही नए आर्मी चीफ और इंटेलीजेंस ब्यूरो के डायरेक्टरों की भी नियुक्ति की जा सकती है।

मूसेवाला का गाना सुनो सब पता चल जाएगा

● इंडिया अलायंस कितनी सीट जीतेगी पर राहुल गांधी का आया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट से तीन दिन पहले एग्जिट पोल सामने आए। तमाम चैनलों के सर्वे ने भाजपा के पूर्ण बहुमत की भविष्यवाणी की है। कई सर्वे में एनडीए के 400 पार का नारा भी मुमकिन दिख रहा है। हालांकि सर्वे को झूठ बताते हुए इंडिया गठबंधन का दावा है कि 4 जून को मोदी सरकार नहीं बनने वाली। रविवार को इंडिया गठबंधन की मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया के सामने आकर दावा किया कि इंडिया गठबंधन की जीत निश्चित है। राहुल गांधी से जब पूछा गया कि उन्हें कितनी सीट जीतने का अनुमान है। जवाब में राहुल ने कहा- आपने सिद्धू मूसेवाला का गाना सुना है, उतनी। कांग्रेस नेता ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणी को पूरी तरह से नकार दिया है। उन्होंने कहा, यह एग्जिट पोल नहीं है, मोदी मीडिया पोल है। यह उनका फैंटेसी पोल है।

डॉक्टर ने ही दिया ब्लड सैंपल बदलने का आइडिया

● पोर्श कांड के आरोपी की मां ने किया बड़ा खुलासा

पुणे (एजेंसी)। पुणे में पोर्शे कांड के आरोपी की मां को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने पुलिस से पूछताछ में कबूल कर लिया है कि उसने ब्लड सैंपल के नमूनों से छेड़छाड़ की थी और बेटे के बजाय अपने सैंपल

जमा कर दिए थे। अब महिला का दावा है कि अस्पताल के डॉक्टरों ने ही उसे सैंपल बदलने का आइडिया दिया था। पुलिस ने अपनी जांच के तौर पर नाबालिग से उसकी मां की मौजूदगी में उस सुधार गृह में एक घंटे तक पूछताछ की, जहां उसे पांच जून तक रखा गया है। पुणे पोर्श कांड में लगातार खुलासे हो रहे हैं।

कांग्रेस ने वोट 'काउंटिंग' के नए नियमों को बताया बड़ी धांधली

● पार्टी ने कहा-यह 'ईवीएम से भी बड़ी धांधली', चुनाव आयोग ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वोटों की गिनती के दौरान असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफीसर (एआरओ) की टेबल पर उम्मीदवारों के मतगणना एजेंट को अनुमति नहीं देने पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने शनिवार को सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए नाराजगी जताई। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, उम्मीदवारों के काउंटिंग एजेंट्स को एआरओ के टेबल पर पहली बार अनुमति नहीं दी जाएगी। मैंने पहले न लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ें हैं, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है।

अगर यह सच है, तो यह कथित ईवीएम धांधली से भी बड़ा है! मैं सभी उम्मीदवारों के लिए इस मुद्दे को उठा रहा हूं! मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग इसे जल्द ही ठीक करेगा। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग के ऑफिशियल हैंडल को टैग भी किया। माकन यह ट्वीट शनिवार को लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण के वोटिंग के समाप्त होने के बाद किया था।

तिहाड़ पहुंचे केजरीवाल, किया सरेंडर

आधे घंटे बाद कोर्ट ने 5 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा; बोले-पता नहीं कब वापस आऊंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार की शाम 5 बजे तिहाड़ जेल में सरेंडर किया। इससे पहले वे आम आदमी पार्टी के दफ्तर गए और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा,मैं देश बचाने के लिए जेल जा रहा हूं।

मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा। वहां मेरे साथ क्या-क्या होगा, मुझे नहीं पता। दिल्ली सीएम ने कहा, 2024 लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल कल सामने आए। लिखकर ले लीजिए, ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं। एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में बीजेपी को 33 सीटें दी थीं, जबकि वहां सिर्फ 25 सीटें हैं। असली मुद्दा यह है कि उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ा उन पर दबाव बनाया गया होगा। कोर्ट ने ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया।

● मैं देश के लिए फांसी पर चढ़ने के लिए भी तैयार हूं

पार्टी दफ्तर पहुंचे केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा,मैं आज इसलिए जेल नहीं जा रहा कि मैंने कोई भ्रष्टाचार किया है। मैं इसलिए जेल रहा हूं क्योंकि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत की है। मैंने इन 21 दिनों में एक मिनट भी जाया नहीं किया। मुझे नहीं पता कि अब मैं कब वापस आऊंगा, लेकिन मुझे कोई परवाह नहीं है। मेरे खून की एक एक बूंद इस देश के लिए है। मैं देश के लिए फांसी पर चढ़ने के लिए भी तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा, 4 तारीख को मंगलवार है। भली करेंगे बजरंगबली। तानाशाहों का नाश करेंगे। अपनी किसी व्यक्ति विशेष से कोई दुश्मनी नहीं है। अपनी दुश्मनी तानाशाही से है। सारे एग्जिट पोल फर्जी हैं। आप मुझसे लिखवा कर रख लो। तब भी आपको आखिर तक वहीं टिके रहना है।

पंजाब में दो मालगाड़ियां आपस में टकराई, बड़ा हादसा टला

● इंजन उछलकर पैसेंजर ट्रेन में घुसा,हादसे में दिखा भयानक मंजर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में रविवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद के माधोपुर के पास सुबह दो मालगाड़ी आपस में टकरा गईं। इसके बाद मालगाड़ी का इंजन खुलकर दूसरी से टकराया और पलटकर अंबाला से जम्मू तवी की तरफ जा रही पैसेंजर ट्रेन समर स्पेशल में फंस गया। हादसे में मालगाड़ी की बोगियां एक-दूसरे पर चढ़ गईं। हादसे से ट्रेन में सवार सैकड़ों यात्रियों में चीख पुकार मच गई। अभी तक की जानकारी के अनुसार हादसे में दो लोको पायलट घायल हुए हैं। दोनों को राजिंद्रा अस्पताल पटियाला रेफर किया गया है। पंजाब रेल हादसे के बाद अंबाला से लुधियाना अप लाइन ठप हो गई है और बड़ा हादसा टल गया।

10 साल में छठी बार चुनाव हारे पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया

● सिक्किम चुनाव में एसकेएम के रिक्शल धोरजी ने दी शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम और अरुणाचल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। शुरुआती रुझानों की बात करें तो सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) क्लीन स्वीप कर आ रही है। इस बीच भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया चुनाव हार गए हैं। उन्हें सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के रिक्शल धोरजी ने 4346 वोटों से हरा दिया है। यह 10 सालों में बाइचुंग भूटिया की छठी हार है। बाइचुंग भूटिया ने 2018 में अपनी खुद की हमरो सिक्किम पार्टी बनाई थी, लेकिन पिछले साल इस पार्टी का पवन कुमार चामलिंग की सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के साथ विलय कर दिया था। फिलहाल वह सिक्किम की मुख्य विपक्षी पार्टी एसडीएफ पार्टी में वाइस प्रेसीडेंट के पद पर हैं।

शाह के 'मिशन 120' ने किया बीजेपी को बम-बम

हर संभावित नुकसान की भरपाई! बीजेपी के चाणक्य ने कर दिया 'खेला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल्स के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने एक बार फिर मोदी सरकार की भविष्यवाणी कर दी है। सिर्फ जीत दर्ज नहीं हो रही है, बल्कि अनुमान तो प्रचंड बहुमत का लगाया गया है। इस बार तो पीएम मोदी का 400 पार वाला लक्ष्य भी सही साबित होता दिख रहा है। अब जब एग्जिट पोल्स के आंकड़े सामने आ गए हैं, उसका विश्लेषण भी शुरू कर दिया गया है। इसी विश्लेषण का एक आधार है अमित शाह का बीजेपी के लिए रहा मिशन 120। असल में 2017 में अमित शाह ने 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए एक रणनीति तैयार की थी। उसी रणनीति के तहत पार्टी ने कुल 120

ऐसी सीटों को टारगेट किया जहां पर उसे हार मिली, लेकिन जीतने की उम्मीद भी दिख गई। इसी वजह से अमित शाह ने तब प्लान तैयार कि ऐसी तमाम सीटों पर केंद्र के मंत्री लगातार दौरा करेंगे, कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित किया जाएगा और सरकार की योजनाओं को जमीन पर अमलीजामा भी पहनाने की कोशिश होगी। इन 120 सीटों में दक्षिण भारत की सीटें शामिल थीं और पूर्वोत्तर को भी टारगेट किया गया था। लेकिन 2019 के चुनाव में बीजेपी ने अपना आंकड़ा तो बढ़ाया, लेकिन इन 120 सीटों पर उसकी स्थिति कुछ खास नहीं सुधरी, दक्षिण में विस्तार करने का उसका सपना अधूरा रह गया था और पूर्वोत्तर में भी वो क्षेत्रीय पार्टियों के सहारे आगे बढ़ती रही लेकिन अब पांच साल बाद वही मिशन 120 वाली रणनीति जमीन पर अपना असर दिखा रही है। एग्जिट पोल्स तो जरूर इस ओर इशारा करते दिख रहे हैं। समझने वाली बात यह है कि दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर की सीटों को अगर मिला दिया जाए तो कुल 218 सीटें बैठती हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने इन 218 सीटों में से 73 पर जीत दर्ज की थी।

सिक्किम में एसकेएम का डंका अरुणाचल में बीजेपी की सरकार

तस्वीर साफ होते ही शुरू हुआ जश्न,राज्यपाल से मिले दोनों सीएम

अरुणाचल में कांग्रेस को एक सीट,भाजपा के 10 विधायक निर्विरोध

ईटानगर/गंगटोक (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव की मतगणना पूरी हो गई है। सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) 32 में से 31 सीट जीतकर फिर से सरकार बना रही है। विपक्षी दल सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) को एक सीट मिली है। पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग भी चुनाव हार गए हैं। उधर, अरुणाचल प्रदेश में भाजपा फिर सरकार बना रही है। भाजपा को 60 में से 46 सीट पर जीत मिली है। भाजपा पहले ही 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। यहां कांग्रेस को 1, नेशनल पीपुल्स पार्टी को 5, एनसीपी को 3, पीपीए को 2 और निर्दलीयों को 3 सीटें मिली हैं। अरुणाचल में भाजपा ने सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर कैंडीडेट्स उतारे थे। वहीं, सिक्किम में एसकेएम और एसडीएफ ने 32-32, वहीं एनसीपी ने 31 उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। सिटिजन एक्शन पार्टी-सिक्किम ने 30 सीटों पर कैंडीडेट उतारे थे। अरुणाचल और सिक्किम के लिए 19 अप्रैल को एक चरण में वोटिंग हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

कठघरे से भागे दुष्कर्म के दोषी ने किया सरेंडर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। रिश्ते की नाबालिग बहन से दुष्कर्म के मामले में दोष सिद्ध होने के बाद शुक्रवार को कोर्ट के कठघरे से भागे दोषी बोचहां इलाके के सुनील महतो ने शनिवार को कोर्ट में आकर सरेंडर कर दिया। उसने कोर्ट को बताया है कि वह एक गंभीर बीमारी से ग्रसित है। कोर्ट ने फैसले में उसे जेल भेजने के लिए कहा था। उक्त बीमारी की दवा वह लेकर नहीं आया था। इसलिए वह भाग कर दवा लाने चला गया था। घर से दवा लेने में देर रात हो गई थी। इसलिए कोर्ट नहीं आया। अगले दिन कोर्ट में आकर सरेंडर कर रहा हूं। सरेंडर करने के बाद उसे कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। छह जून को मामले में सुनवाई होगी। विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र कुमार ने बताया कि घटना नौ दिसंबर 2013 की है। पीड़िता के बयान पर बोचहां थाना में 27 मार्च को एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि नौ दिसंबर 2013 की रात करीब 12 बजे सुनील अपने वाहन चालक चकअब्दुल गांव निवासी रंजीत पासवान को लेकर घर में घुस गया। उसने चाकू निकालकर हत्या की धमकी दी। रंजीत चाकू लेकर खड़ा रहा और सुनील ने दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों ने धमकी दी कि इसकी चर्चा किसी से की तो हत्या कर देंगे। पुनः 24 मार्च 2014 की रात में सुनील घर में घुस गया। मुंह दबाकर ले जा रहा था तभी पांव से किंवार में झटका लगा। आवाज पर मां जग गई। शोर मचाने पर सुनील ने मां को गिरा दिया और फरार हो गया। पीड़ता ने पुलिस को बताया था कि सुनील के दुष्कर्म के बाद वह गर्भवती हो गई।

माही के भाई का मोबाइल जब्त, नानी से पूछताछ

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर थाने की पुलिस ने मथुरा में रेल से कटकर जान देने वाली तीन किशोरियों में शामिल माही के भाई के मोबाइल को जांच के लिए जब्त किया है। उसके पिता मनोज सहनी और नानी से भी नगर थाने की पुलिस ने घंटों पूछताछ की। माही के पिता ने पुलिस को बताया था कि वह बेटी को अखाड़ाघाट रोड में छोड़कर लालगंज चले गए थे। लेकिन, उसके मोबाइल का टॉवर लोकेशन काफी देर तक अखाड़ाघाट रोड में ही रहा। इसको लेकर मनोज से काफी देर तक पूछताछ की गई। बालूघाट इलाके से गायब युवक के संबंध में भी पुलिस को किशोरियों के परिजनों ने जानकारी दी है।

मारपीट में दो महिला सहित चार घायल

भागलपुर/कहलगांव , एजेंसी। अंतीचक और सनोखर थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच जमीनी और आपसी विवाद के मारपीट में दो महिला समय चार लोग घायल हो गये। सनोखर थाना क्षेत्र के शाहुपाड़ा गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल हुई सोनू दास की पुत्री रजनी कुमारी एवं ऋषिचंद दास के पुत्र चंदन कुमार दास का उपचार अनुमंडल अस्पताल में कराया गया है। अंतीचक थाना क्षेत्र के नंदगोला गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल हुई संजय चौधरी की पत्नी पारो देवी एवं विशेश्वर चौधरी के पुत्र अंकित कुमार का उपचार अनुमंडल अस्पताल में कराया गया है। अभी तक दोनों मामले थाना में मुकदमा हेतु आवेदन नहीं दिया है।

नगर आयुक्त ने जनता दरबार में 15 लोगों की सुनी फरियाद

गया , एजेंसी। नगर निगम कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया इस दौरान नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए 15 फरियादियों की फरियाद सुनी। जनता दरबार में आए हुए लोग जन्म, मृत्यु निबंधन, पेंशन, होल्डिंग टैक्स, अतिक्रमण, अनाधिकृत निर्माण नाला निर्माण आदि समस्या को नगर आयुक्त के सामने रखा। नगर आयुक्त ने गंभीरता पूर्वकों की शिकायतों को सुनने के बाद उनके आवेदनों को संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश दिया।

तालाब में गोताखोरों से हत्या का सबूत तलाश करवाया

भागलपुर/सबौर, एजेंसी। बाईपास थाना क्षेत्र के मुखेरिया तालाब में सेंट टेरेसा के छात्र मनीराज कुमार की हत्या कर शव फेंक देने के मामले में पुलिस विगत चार दिन से अनुसंधान कर रही है। इसको लेकर शनिवार को एसडीएम धनंजय कुमार बाईपास थाना पहुंचे और डीएसपी विधि व्यवस्था से चंद्रभूषण से दो घंटे तक बातचीत कर मुखेरिया तालाब घटनास्थल पहुंचे जहां गोताखोरों से पानी में तलाशी करवाई गई।

पटना यूनिवर्सिटी के छात्र ने जीता गोल्ड मेडल अंतराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में बाजी मारी

जाबीर अंसारी ने 75 किलो कैटेगरी में लाया पहला स्थान

पटना, एजेंसी। पटना यूनिवर्सिटी इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। एक ओर जहां हर्ष हत्याकांड ने पीयू के दामन में दाग लगाया है, वहीं दूसरी ओर कराटा के खिलाड़ी जाबीर अंसारी ने इसका मान बढ़ाया है। दरअसल, जाबीर ने नेपाल में आयोजित 10वें अंतराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कुमिते इवेंट में 75 किलोग्राम कैटेगरी में पहला स्थान प्राप्त किया है। दूसरे स्थान पर नेपाल और भूटान रहा।

इस प्रतियोगिता में 7 देश के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, अफगानिस्तान और नेपाल शामिल था। जाबीर ने अपना पहला मुकाबला नेपाल से खेला ओर उसको हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। दूसरी तरफ से भूटान के खिलाड़ी फाइनल में जगह बना लिए थे। जाबीर का मुकाबला भूटान से हुआ और अंतिम समय में जाबीर ने भूटान को हराते हुए देश के लिए स्वर्ण पदक जीत लिया।

रोज 6 से 8 घंटे का करते थे कठिन अभ्यास

जाबीर ने बताया कि वह अपने कोच राहुल कुमार के साथ रोज 6 से 8 घंटे का कठिन अभ्यास करते थे। झाझा जमुई निवासी जाबीर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियन हैं। पिछले साल उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 188 यूनिवर्सिटी को पछाड़ कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया था। फिलहाल जाबीर पटना कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं, पर उनकी पहचान एक कराटे खिलाड़ी के रूप में ज्यादा है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीत चुके हैं कई मेडल

जाबीर राज्य स्तर से लेकर राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन के आधार पर कई पदक और पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। वह लगातार छः बार बिहार स्टेट कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं। उन्होंने दो बार राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में रजत और कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही वह पूर्वी जोनल कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक और अंतर विश्वविद्यालय कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं। जाबीर कई अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चूके हैं। वह दक्षिण एशियाई कराटे प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता रह चुके हैं। इसके साथ ही उनकी भागीदारी अलग-अलग देशों में आयोजित विश्व कराटे सिरिज में तीन बार रह चुकी है।

कुजापी में ट्रक और ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर, हादसा टला,

गया, एजेंसी। चंदौती थाना के कुजापी में शनिवार को एक बड़ी हादसा टल गया। अपराह्न 3 बजे एक ट्रक और ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद वहां ऑफर तफरी का मौहल बन गया। ट्रैक्टर चालक मामूली रूप से जख्मी हो गया है। इलाज के लिए उसे मगध मेडिकल कॉलेज भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक टेकारी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही थी। इस क्रम में कुजापी के पास विपरीत दिशा से आ रही मिट्टी लोड ट्रैक्टर से सीधी टक्कर हो गई। ट्रक पहले एक ठेला को रौंदते हुए पार किया फिर ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मारा। इसमें ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौका पाकर ट्रक चालक फरार हो गया। इसमे ट्रैक्टर चालक जख्मी हो गया। जिस वक्त दुर्घटना हुई। उस वक्त वहां काफी लोगों का आना जाना लगा था। हादसा टल गया वरना बड़ी हादसा हो सकती थी। चंदौती थानाध्यक्ष रणविजय सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर चालक इलाजरत है। उसकी हालत सुधार में है। वहीं दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहन को जब्त कर लिया गया है।

मां बोली- स्टेशन पर दिखें, ट्रेन से कहीं चले गए

पिता ने डांटा..तीन भाइयों को लेकर निकल गई बहन: वैशाली में 4 बच्चे लापता

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में पिता के डांट के बाद 4 बच्चे घर से लापता हो गए। बताया जाता है कि पिता ने बच्चों को पढ़ाई को लेकर डांट लगाई थी। उसके बाद बड़ी बहन अंजली (13) अपने तीन छोटे भाइयों ओम कुमार(8), शिवम कुमार(5) और कृष कुमार(3) को लेकर घर से निकल गई। खोजबीन के दौरान पता चला कि चारों ट्रेन से कहीं निकल गए हैं। घटना शुक्रवार की सदर थाना क्षेत्र के बलवा कुवांरी गांव की है। पीड़ित का मां का कहना है कि वो लोग चाय-नाश्ते की दुकान चलाते हैं। उनके पांच बच्चे हैं। बच्चों के पिता दीपक साह ने बच्चों को पढ़ाई नहीं करने पर डांट लगाई थी। उसके बाद पति-पत्नी एक और बच्चे को लेकर दुकान पर चले गए थे।

12 बजे जब मां किरण देवी घर लौटी तो देखा कि चारों बच्चे घर पर नहीं हैं। इसके बाद उनकी खोजबीन शुरू की गई। गांव में सभी जगहों पर खोजा गया, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। घरवालों ने रिश्तेदारों को भी फोन करना शुरू किया, लेकिन वहां भी उनके बच्चों से जुड़ी कोई जानकारी नहीं मिली। खोजबीन करने पर बाद लोगों ने बताया कि सभी घोसवर स्टेशन की तरफ देखें गए थे। इसके बाद परिजन घोसवर स्टेशन पर गए। वहां स्टेशन मास्टर से पूछा तो उन्होंने बताया कि एक पैसेंजर ट्रेन लगी हुई था। चारों बच्चे पैसेंजर ट्रेन में बैठकर निकल गए। इसके बाद घर वालों ने सदर थाना में बच्चों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। सदर थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि चार बच्चों के गायब होने की प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। आसपास में लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है।

पाटलिपुत्र के सतपरसा गांव में एक भी वोट नहीं पड़े

ग्रामीणों ने कहा- 30 साल से कोई विकास नहीं हुआ, सड़क-स्कूल तक नहीं है, किसी ने नहीं सुनी

पटना, एजेंसी। पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में मसौढ़ी स्थित सतपरसा गांव के बूथ संख्या 267 पर 700 वोटरों ने वोट का बहिष्कार किया। इस बूथ पर एक भी वोट नहीं पड़े। रोड और स्कूल की मांग को लेकर लोगों ने वोट नहीं डाला। ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल से कोई विकास नहीं हुआ है। विधानसभा चुनाव में भी जनप्रतिनिधियों को सबक सिखाएंगे।

गांव में स्कूल और रोड तक नहीं है

सतपरसा गांव के साथ पंचायत भी है। इस पंचायत में 18 गांव शामिल है, जिसमें 6 हजार से अधिक आबादी है। इस गांव में स्कूल नहीं है। स्कूल बनाने के बजाय उसे दूसरे पंचायत में शिफ्ट कर दिया। ग्रामीण सतेंद्र शर्मा ने बताया कि गांव के बच्चे रामपुर पंचायत पढ़ने जाते हैं। हर हमेशा बच्चों की चिंता रहती है। गांव दर्धा नदी के तटबंध से घिरा है। नदी में बाढ़ आने पर पूरा गांव डूब जाता है।

आश्वासन के सिवा कुछ भी नहीं मिला

ग्रामीणों ने बताया क पहले ये बाढ़ संसदीय क्षेत्र का हिस्सा था। नीतीश कुमार जब सांसद बने तब भी इसका विकास नहीं हुआ। बाद में परिसीमन में ये पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में आ गया था। बीजेपी से रामकृपाल यादव दो बार से सांसद हैं और तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया था कि सब ठीक हो जाएगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ है।

हमलोगों के लिए किसी ने नहीं सोचा

लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार ने कभी हमलोगों के लिए नहीं सोचा। बीडीओ, सीओ से लेकर उच्च अधिकारियों तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन आज दिन तक कोई सुनवाई नहीं हुई। हमलोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। यही नहीं गांव में ना कोई पंचायत भवन है और ना ही कोई सामुदायिक भवन। सड़क की भी हालत खराब है। इमरजेंसी में एंबुलेंस का आना मुश्किल हो जाता है। शादी समारोह के लिए दूसरे गांवों में जाना पड़ता है।

14 साल के बच्चे की सूझबूझ से टला ट्रेन हादसा, बिहार में बाघ एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में एक बच्चे की सूझबूझ से समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर शनिवार की सुबह हावड़ा से काठगोदाम जा रही बाघ एक्सप्रेस दुर्घटना का शिकार होने से बच गयी। रेल की टूटी पटरी देख एक किशोर ने सूझबूझ का परिचय दे गमछा हिला ट्रेन को रुकवाया। जिससे रेल हादसा टल गया। करीब एक घंटा विलंब से चल रही बाघ एक्सप्रेस शनिवार की सुबह 9.44 बजे समस्तीपुर स्टेशन पहुंची। उसके बाद 10.02 बजे आगे के लिए खुली।

स्टेशन से आगे बढ़ने पर भोला टाकीज गुमटी से आगे अप लाइन पर रेल की पटरी टूटी हुई थी। उसी समय न्यू कॉलोनी निवासी मो. शकील का 14 वर्षीय पुत्र मो. शाहबाज रेल लाइन होकर अपने घर जा रहा था। उसकी टूटी पटरी पर नजर पड़ी। उसी समय स्टेशन की ओर से आ रही ट्रेन भी दिखी। उसने अपने गले में लपेटा रंगीन गमछा हिलाना शुरू कर दिया। उसे गमछा हिलाते देख ट्रेन के चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया तब तक ट्रेन की तीन बोगी टूटी पटरी पार कर चुकी थी। ट्रेन रोकने के बाद लोको पायलट विद्यासागर नीचे उतरे और किशोर से गमछा हिलाने का कारण पूछा तो उसने पटरी टूटी होने की जानकारी दी। तब तक ट्रेन के गार्ड अरुण कुमार दुबे भी पहुंच चुके थे। लोको पायलट व गार्ड ने टूटी पटरी देखने के बाद विभाग को सूचना दी। जिसके बाद ट्रैक मेंटनेंस टीम पहुंची और पटरी की मरम्मत की। तब ट्रेन आगे बढ़ी। मरम्मत के कारण ट्रेन करीब 45 मिनट रुकी रही।

जमीनी विवाद में चली गोली, पांच लोग घायल

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर-कटिहार सीमा के मनिहारी थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना में गोलीबारी होने की भी बात सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार दो लोगों के कान के पास से गोली निकली है। हालांकि दोनों की जान बच गई है। जबकि पांच लोग मारपीट में घायल है। सभी का इलाज भागलपुर के पिरपेंती रेफरल अस्पताल में चल रहा है। घायलों में कैलाश ठाकुर, सुजीत कुमार, सुभाष कुमार, रितेश कुमार और दिलीप ठाकुर शामिल है। लोगों का कहना है कि जमीनी विवाद को लेकर छह माह पहले भी इन लोगों के बीच मारपीट हुई थी। घायल सुभाष ठाकुर ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर परिवार के लोगों ने ही गोली चलाई है। हम लोग जैसे ही घर से बाहर निकले उन लोगों ने हमला कर दिया। घटना में दो लोगों को गोली लगी है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में लग गई है।

लू लगने से व्यापारी की मौत:किसी काम के लिए घर से बाहर निकले थे, हीट स्ट्रोक से बिगड़ी थी सेहत

आरा (भोजपुर), एजेंसी। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के महाजन टोली नंबर एक मोहल्ले में शनिवार को लू-लगने से एक व्यापारी की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के महाजन टोली नंबर एक वार्ड नंबर 22 निवासी स्वर.अशोक कुमार सिन्हा के 50 वर्षीय पुत्र अनूप सिन्हा उर्फ़ अप्पू हैं एवं वह पेशे से व्यापारी थे।

क्या बोले परिजन

इधर मृतक के परिजन ने बताया कि वह कई वर्षो से महाराष्ट्र के पुणे में रहकर अपने पिता के साथ व्यापार करते थे। करीब छह महीने से वह यहां रहते थे। हीट-स्ट्रोक के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन अभी उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के लिए सोची रहे थे। इसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृत एक की मौत लू-लगने के कारण होना प्रतीत होता है। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व चार बहन में दूसरे स्थान पर थे। मृतक ने शादी नहीं की थी। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

स्पेशल अभियान में 18 गिरफ्तार:भोजपुर पुलिस चला रही थी अभियान, कई मामलों में हैं आरोपी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांडों में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी व शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए छापेमारी अभियान में 18 पकड़े गए । इसमें हत्या में एक, लूट में दो, खनन में दो, वारंट में आठ, शराब में पांच पुलिस के हत्थे चढ़े है। अभियान के दौरान नौ शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। 300 लीटर देसी शराब बरामद किया। करीब 23 वारंटों का निष्पादन किया गया। करीब 574 वाहनों की जांच की गई। 95 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

अवैध खनन में दो गिरफ्तार : सहार थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट में एक आरोपित परमात्मा राय को धर दबोचा। पकड़ा गया आरोपित पेरहाप गांव का निवासी है। संदेश थाना पुलिस ने लूट के मामले में एक बाइक व तीन मोबाइल के साथ दो को धर दबोचा। संदेश पुलिस ने चिल्होस निवासी जितेन्द्र कुमार व रेपुरा निवासी अमरनाथ चौधरी को पकड़ा है। तीस मई को लूट की घटना घटित हुई थी। संदेश व इमादपुर पुलिस ने अवैध खनन में दो को धर दबोचा।

आर्म्स एक्ट मामले में भी गिरफ्तारी : करनामेपुर थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। अजीमाबाद थाना पुलिस ने रंगदारी से जुड़े मामले में दो आरोपितों को धर दबोचा। हसन बाजार ओपी पुलिस ने हत्या के प्रयास में एक को गिरफ्तार कर लिया। जगदीशपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में एक को धर दबोचा। तरारी पुलिस ने हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है

मारवाड़ी युवा मंच व सृष्टि शाखा द्वारा सात दिवसीय समर कैम्प का हुआ समापन

- लड़कियों हेतु निःशुल्क राइफल ट्रेनिंग क्लब की होगी स्थापना- डॉ. शंभुनाथ सीकरिया
- समर कैंप में शामिल बच्चों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरण कर किया गया सम्मानित
- अब आगे विंटर कैंप का होगा आयोजन- यमुना सीकरिया

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के राधा नगर स्थित राधा कृष्ण सीकरिया बी.एड कॉलेज के प्रांगण में मारवाड़ी युवा मंच व सृष्टि शाखा द्वारा आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का समापन शनिवार को हो गया। उक्त मौके पर प्रसिद्ध शिक्षाविद सह मंच के अध्यक्ष यमुना सिकरिया ने कहा की यह समर कैम्प मोतिहारी में पहली बार आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे सृष्टि शाखा के अध्यक्ष अंजली केडिया, सुरुचि, मोहिनी, अमित, राधिका, सारिका, लावन्या, चाया, काजल दीपा, विनीता, शालू, सोनिया, दिव्या, सलोनी, अभिषेक, प्रतीक, शैल सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सह उद्योग पति डॉ. शंभूनाथ सिकरिया ने कहा की बच्चों के समग्र विकास के लिए समाज में बढ़ती कठिनाइयों को देखते हुए विंटर कैम्प लगाने की विचार किया गया है। श्री सिकरिया ने अपने ट्रस्ट से सुभाष पार्क में अपने तरफ से म्यूजिकल फाउंटेन और मोतिझील फ्लोरोटीन रेस्टोरेंट देने की घोषणा की, साथ ही लड़कियों के निःशुल्क राइफल ट्रेनिंग क्लब की अनुमति जो बिहार सरकार से आकर जिला प्रशासन के पास लंबित है। वहीं गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने आश्वासन दिया कि मैं अपने तरफ अनुमति दिलवा दूँगा। सिकरिया ने कहा की अनुमति मिलने पर ट्रस्ट के तरफ से स्थापना कर निःशुल्क लड़कियों की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस समर कैंप के समापन पर बच्चों ने नृत्य कर अपनी प्रतिभा का बहुत ही सराहनीय मनमोहक प्रस्तुति दी। समर कैंप में शामिल सभी बच्चों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। प्रमाण पत्र पाकर सभी फूले नहीं समा रहे थे। सिकरिया ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का बौद्धिक व मानसिक विकास होता है। कहा कि समर कैंप के बाद अब विंटर कैंप का आयोजन होगा और प्रत्येक वर्ष यह आयोजित होगा। उक्त मौके पर उप मेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, केबीसी विजेता सुशील कुमार, डॉ. हेना चंद्रा, अनिरुद्ध लोहिया, बच्चों की ओर से मनन अग्रवाल सहित अन्य शामिल रहे।

शौचालय का गंदगी टैंकर द्वारा वीटीआर जंगल मे छोड़े जाने से पर्यावरण पर बढा खतरा

बगहा-वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग कोतराहां के समीप छोड़ा जाता है टंकी का गंदगी

बीएनएम। वाल्मीकिनगर

बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य पथ वीटीआर क्षेत्र कोतराहां मोड़ के निकट शौचालय टंकी का गंदगी आए दिन छोड़ा जाता है।जिससे मुख्य मार्ग से होकर आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है।शौचालय की गंदगी की तेज बदबू से राहगीरों को सांसे रोक कर गुजरना पड़ता है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ता है या नहीं यह विचारणीय है लेकिन कहीं से भी किसी दृष्टिकोण से वीटीआर जंगल मे शौचालय की गंदगी को छोड़ा जाना उचित नहीं समझा जा सकता है। समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने कहा कि वाल्मीकिनगर परिक्षेत्र का कूड़ा करकट व अन्य कचरे के लिए एक नियत डंपिंग एरिया होना चाहिए । जहां शहर के द्वारा विसर्जित कचरे को रखा जा सके। जिससे मानवीय जनजीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

घरों में अचानक लग रही है आग, कोई दैविक प्रकोप मान रहे हैं तो कोई हीट वेव

घर के सभी समान को बाहर निकालकर लोग रतजगा करने को विवश है लोग

बीएनएम। मोतिहारी

कल्याणपुर प्रखंड के सिसवा खरार पंचायत के मननपुर पुरवारी टोला में पिछले तीन दिनों से अजीबोगरीब अगलगी की घटना हो रही है। लोगों का कहना है कि यह आग अपने आप उत्पन्न हो रहा है। जिसपर ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा रहा है। अभी लोग कुछ सोच समझ भी नहीं पा रहे हैं। तब तक दूसरे जगह फिर आग लगी की घटना शुरू हो जा रही है। बात सुनने में अटपटा जरूर है लेकिन लोगों की माने तो यह घटना सत्य है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सिसवा खरार पंचायत के वार्ड नंबर 9 स्थित सुरेश राऊत पिता बैजनाथ राऊत, उमेश रावत पिता सकल राऊत, दिलीप राऊत पिता भारत राऊत, संजय राऊत पिता अगमदेव रावत व अवधेश राऊत के घर में यह आग लगी की घटना हो रही है। कोई इसे दैविक प्रकोप मान रहे हैं तो कोई इसे हीट वेव का असर मान रहे हैं। कुछ भी हो लोग काफी भयभीत है।बृहस्पतिवार के दिन अवधेश राउत के घर से आग की शुरुआत हुई। शुक्रवार के दिन तीन बार घटना हुई। वही शनिवार को लगभग छः बार आगलगी की घटना हुई। आग कभी फूस के टाट में कभी खरही के टाल में तो कभी बिछावन व दीवाल पर टांगे कपड़े में लग रहा है। इस घटना से सभी ग्रामीण दहशत में हैं। घर के सभी समान को बाहर निकालकर लोग रतजगा करने को विवश है। इस बाबत एसडीओ शिवानी शुभम ने बताया कि इस विषय में एक्सपर्ट से बात की जाएगी। घटना स्थल पर अग्निशमन की गाड़ी को भेजा जा रहा है।

मुर्गा का मांस खाने से बिगड़ी तबियत, जांच में जुटी आईडीएसपी की टीम

एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने वस्तु स्थिति से अवगत कराने का दिया है आदेश

- लखौरा के वार्ड नंबर एक मुसहर टोली की है घटना
- क्षेत्र के स्थानीय लोगों में हडकंप से तरह-तरह की हो रही है चर्चा
- मुर्गा का मांस नहीं खाने के लिए एक-दूसरे को सचेत कर रहे हैं समाजसेवी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मोतिहारी सदर प्रखंड अंतर्गत लखौरा के वार्ड नंबर एक मुसहर टोली में मुर्गा का मांस खाने से कुछ लोगों का तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसका निरीक्षण जिला महामारी से आईडीएसपी की टीम के डॉ. राहुल राज व नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार, डब्लूएचवो से राकेश कुमार, विजय कुमार के द्वारा उक्त वार्ड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दरम्यान पाया गया कि उस क्षेत्र में बच्चे-बूढ़े सहित 13 लोग प्रभावित थे जिसमें 07 लोगों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया था वर्तमान में वह सभी ठीक है, अन्य 5 लोगों का इलाज ग्रामीण स्तर पर ही कराया गया था जो अभी अच्छा है। अभी भी एक बच्ची सदर अस्पताल के पिकू वार्ड में भर्ती है। निरीक्षण दल के द्वारा उस क्षेत्र के आशा व आशा फैसिलेटर व एएनएम को आगामी 8 जून तक उसे क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करते हुए लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने की सलाह दी गई साथ ही कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस का नंबर भी उपलब्ध कराया गया। इसकी पुष्टि करते अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (ए.सी.एम.ओ) डॉक्टर श्रवण कुमार पासवान ने बीएनएम को बताया कि डॉ. राहुल राज (आईडीएसपी) को आदेश दिया गया है कि वहां जाकर क्षेत्र का भ्रमण कर वस्तु स्थिति की विस्तृत जानकारी देने को कहा है। मौके पर एएनएम प्रतिमा साह, आशा फैसिलेटर धनवंती देवी, सिकीलिया देवी सहित स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

पंचतत्व में विलीन हुए कॉमरेड विष्णुदेव यादव, कार्यकर्ताओं ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

आरा में चुनाव प्रचार के दौरान लू लगने से हुई थी मौत

बीएनएम। मोतिहारी

भाकपा माले बिहार राज्य कमिटी सदस्य सह नगर सचिव, पूर्वी चंपारण कॉमरेड विष्णुदेव यादव का आरा में लू लगने से बेहोश होने के उपरांत आरा सदर अस्पताल में ईलाज के क्रम में निधन हो गया। उनके निधन पर पैतृक गांव बेलहिया(आदापुर) में कल देर शाम श्रद्धांजलि देने व दाह-संस्कार में माले के प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के नेता व कार्यकर्ता भाग लियें। मुखाग्नि 20 वर्षीय पुत्र व छात्र हर्षवर्धन कुमार ने दिया। वहीं कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया।सभा की कार्रवाई अपने दिवंगत नेता के प्रति दो मिनट का मौन रखने के उपरांत की गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा देश के लोकतंत्र व संविधान बचाने वास्ते भाकपा माले इंडिया गठबंधन के रास्ते लोकसभा चुनाव मैदान में बदलाव के लिए अपार जनसमर्थन जिसमें आम जनता की सक्रिय भागीदारी रही है। इसी संदेश को लेकर कॉमरेड विष्णुदेव चंपारण से आरा गये थे। उनकी शहादत जीत की संदेश बनकर सामाजिक धरातल पर आऐगी।वे जब से पार्टी में शामिल हुए, पिछली सरकार से लेकर मोदी सरकार की दमन का बिना परवाह किए छात्र नौजवान, मजदूर किसानों, ग्रामीण गरीबों, शहरी गरीबों, स्कीम वर्कर्स के जीवन के संघर्षो के हर मोर्चे पर डटे रहते थें। शोक को साहस व शक्ति में बदलने की आज की दौर में हम सभी सच्चे देशभक्तो से मांग है।विष्णुदेव साथी प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। सिकटा विद्यायक कॉमरेड वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कॉमरेड विष्णुदेव यादव जटिलता की दौर से लेकर अब तक पार्टी विस्तार एवं जनता की दुख दर्द सुनने में उनकी अच्छी भूमिका रहती थी।जिला सचिव प्रभुदेव यादव ने कहा माले से आम जनता की उम्मीद बढ़ी है।इस दौर में कॉमरेड विष्णुदेव यादव का चले जाना बेहद दुःखद है।नौजवान साथी आगे आएंगे हमें भरोसा है। मौके पर बिहार सरकार के पूर्व विधिमंत्री सह राजद विधायक नरकटिया शमीमअहमद, शशि यादव पोलित व्यूरो सदस्य माले सह विधान परिषद सदस्य,भाकपा माले के जिला सचिव प्रभुदेव यादव व जिला कमिटी सदस्य रूपलाल ठाकुर, भैरवदयाल सिंह, भाग्यनरायण चौधरी, राघव साह, शंभूलाल राय, नवल सहनी, देवंती देवी, कुमंती देवी, जीतलाल सहनी, उपेंद्र सहनी, दिनेश प्रसाद, राजेश कुमार, भोला साह, अच्युतानंद पटेल, सरस्वती देवी,विशेश्वर प्रसाद व ऐपवा नेत्री शबनम खातून,श्रमिक संगठन ऐक्टू के चंदशेखर सिंह और ऐनूल हक, मोहन राम, महेंद्र पटेल, दिनेश्वर सिंह, रामाधार यादव, शिवपूजन पासवान, इनरदेव यादव सहित पार्टी के अंचल कमिटी, खेग्रामस, पार्टी ब्रांच, महासंघगोपगुट, निर्माण मजदूर यूनियन, स्कीम वर्कर्स से जुड़े सदस्य के साथ-साथ भाकपा के पूर्व जिला सचिव रामबचन तिवारी, रामचंद्र प्रसाद, अंबेडकर मंच के पारसनाथ, राजद के असलम, माले पश्चिम चंपारण जिला कमिटी सदस्य और गांव गांव से बड़ी संख्या में मजदूर -किसान व नौजवान और गणमान्य लोग और छात्र नौजवान, राहुल कुमार, मुन्ना कुमार, अमरेश कुमार, राजकुमार शर्मा अधिवक्ता रंजन कुमार रेलवे ड्राइवर सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहें।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!
PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET
प्रियांशु बाजाज
Managing Director
फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड
बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

S.No.	Position	Qualification	No. of Possession	Pay Scale
1.	Branch Manager	Graduation	40	30,000 – 35,000
2.	Finance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
3.	Insurance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
4.	Branch Accountant	I.Com / B.Com with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
5.	Filed Officer	10th / 10th +2	160	15,000 – 20,000
6.	Store Keeper	10th	80	15,000
7.	Delivery Boy	10th	160	10,000 + Commission
8.	Supervisor	Graduation with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
9.	Security Guard	Retired Home Guard Officer	40	10,000
10.	Distributer	Minimum 8th Passed	We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees.	10,00000
11.	Peon	Minimum 8th Passed	40	10,000 – 15,000

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए । अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन न० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।
Mobile No - +91 7324818096
*नियम एवं शर्ते लागु

करीब पाँच माह से क्षतिग्रस्त है नल-जल की पाइप, सड़क पर जलजमाव ग्रामीण परेशान

• शिकायत के बाद भी अब तक नहीं हुआ मरम्मत

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

सरकार अपनी योजना को धरातल पर सफल होने का लाख दावा कर ले परंतु इसके ये दावे धरातल पर बिल्कुल विफल दिखाई दे रहा है। सरकार की योजना को विफल करने में सरकारी दफ्तरों में बैठे बाबुओं के अलावा क्षेत्रीय सम्बन्धित जनप्रतिनिधि भी कोई कसर नहीं छोड़ते। हम ऐसा इस लिए कह रहे हैं कि योजना को क्रियान्वित करने में कमिशन के खेल में कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं हो पाता। जिससे कार्य पूर्ण होने के कुछ दिनों बाद से हीं मरम्मत की जरूरत पड़ने लगती है। महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल-जल में भी ऐसा हीं हुआ है। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत अंतर्गत शेखटोली वार्ड संख्या 13 में इस योजनान्तर्गत आपूर्ति की जाने वाले जल का पाइप क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे उक्त जगह पर लगातार पानी गिर रहा है। इससे सड़क पर कुछ दूर तक जलजमाव हो गया है। यह समस्या करीब पाँच माह से है। इसका मुख्य कारण गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होना माना जा रहा है। लेकिन लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अधिकारी व कर्मी कान में तेल डाल कर सो गये हैं। इस मामले को ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उछाला है। अरमान सुल्तान सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पानी टंकी से करीब दो सौ से अधिक घरों को जल की आपूर्ति की जाती है। करीब पाँच माह पहले ही टंकी से कुछ दूरी पर मुख्य पाइप क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे सड़क पर जलजमाव हो जा रहा है। इस सड़क मार्ग से सैकड़ों लोग प्रतिदिन गुजरते हैं। इस मामले की सूचना सम्बन्धित विभागीय अधिकारी को दिया गया है। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिसके कारण जलापूर्ति में भी समस्या हो रही है। उक्त पंचायत के मुखिया भोला कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर फरवरी माह में पीएचईडी के अधिकारी व केसरिया बीडीओ को आवेदन देकर क्षतिग्रस्त पाइप को मरम्मत कराने का अनुरोध किया गया था। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी है।

संक्षिप्त समाचार

आरटीई के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के संचालक विभाग के मापदंड का करें शत प्रतिशत पालन- बीइओ

बीएनएम। बेतिया। मझौलिया में आरटीई के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के संचालक विभाग के मापदंड का शत प्रतिशत पालन करें अन्यथा उन्हे अपनी-अपनी दुकान बंद करनी पड़ सकती है, अब बहाने बाजी नहीं चलेगी।उक्त बातें प्रखंड शिक्षा प्राधिकारी हाफिजुर रहमान ने प्रखंड क्षेत्र में स्थित निजी विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं विभागीय आदेश अनुसार एमजी पब्लिक हाई स्कूल मझौलिया, सरस्वती बाल विद्या मंदिर पारस पकड़ी न्यू आर एल पब्लिक स्कूल पटबंधी रेजिडेंस पब्लिक स्कूल भोगड़ी समेत तिरवाह क्षेत्र के दर्जनों निजी विद्यालयों का निरीक्षण किया गया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए निजी विद्यालय के संचालकों को बताया कि बिना क्यू आर कोड प्राप्त विद्यालय के आठवीं वर्ग की स्थानांतरण प्रमाण पत्र की मान्यता रद्द होने के साथ-साथ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय के भवन वर्ग संचालन वाला कमरा बेंच डेस्क शौचालय खेल मैदान एवं संचालित हो रही विद्यालय की भूमि का ब्योरा आरटीई के तहत 25% लाभ लेने वाले नामांकित बच्चों की नामांकन राजिस्टर शिक्षक छात्र का अनुपात स्वीकृत कोड समेत विभिन्न अभिलेखों का गन निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण लगातार जारी रहेगा। इसका जांच रिपोर्ट स्थापना डीपीओ समेत जिला शिक्षा कार्यालय को भेजा जाएगा। वही इस निरीक्षण को लेकर मानक पूरा नहीं करने वाले विद्यालय संचालकों में हड़कंप मचा है।

मझौलिया में चहक प्रशिक्षण का हुआ समापन

बीएनएम। बेतिया। मझौलिया स्तिथ बीआरसी प्रशिक्षण हॉल में गैर आवासीय चहक प्रशिक्षण का समापन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हाफिजुर रहमान के निर्देशन में उपस्थित गणमान्य लोगों के बीच किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रखंड के सभी विद्यालयों के वर्ग प्रथम के नामित शिक्षकों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि अपने-अपने पोषक क्षेत्र के विद्यालयों में संकल्पित भावना से चहक चहक कर खेलकूद की उपमा देते हुए विद्यालय के छात्राओं में शिक्षा अनुशासन शिष्टाचार संस्कार की भावना जागृत करें। उन्होंने बताया कि पहले वर्ग ही प्रारंभिक शिक्षा का केंद्र बिंदु है। वही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी शिक्षकों ने पूर्ण रूप से भरोसा दिलाया कि सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में अलग जगाने की भावना को शत प्रतिशत पालन करते हुए प्रशिक्षण में प्राप्त अनुभव का साझा विद्यालय की प्रारंभिक कक्षा पहला के छात्रों के बीच करेंगे। इधर प्रशिक्षण समापन में उपस्थित प्रबुद्ध सम्मानित लोगों द्वारा प्रखंड शिक्षा प्राधिकारी की उत्कृष्ट कार्य के लिए भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए बताया गया कि इसके पूर्व अब तक प्रशिक्षण के समय किसी भी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा अपना पूरा समय नहीं दिया जाता है जो वर्तमान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने एक मिसाल कायम किया है। इस मौके पर बीआरपी उपेंद्र शुक्ला, प्रधान लिपिक संजीव कुमार, डाटा ऑपरेटर नवल कुमार, प्रशिक्षक शशि रंजन चौबे, अनिल कुमार सिंह, अनिता कुमारी समेत स्थानीय प्रबुद्ध शिक्षाविद उपस्थित थे।

आंधी से जनजीवन अस्तव्यस्त कई जगहों से पेड़ उखड़े, बिजली आपूर्ति ठप्प

बीएनएम। वाल्मीकिनगर। इंडो नेपाल सीमा स्थित वाल्मीकिनगर में पिछले तीन दिन के दरमियान दो बार आंधी ने जनजीवन को अस्तव्यस्त कर दिया है।कई जगहों पर पेड़ गिरे हैं और कई जगहों पर बिजली पोल व तारें टूटी हैं।बतादें की वाल्मीकिनगर को बिजली आपूर्ति नेपाल से होती है तो जलसंसाधन विभाग के प्रोजेक्ट एरिये के अलावे प्राइवेट आवासीय क्षेत्रों में बिजली बॉर्डर द्वारा बिजली उपलब्ध कराई जाती है। बतादें की इन्हीं के द्वारा बिजली आपूर्ति से जलसंसाधन विभाग कॉलोनी और गंडक बराज संचालित किए जाते हैं। आंधी ने नेपाल क्षेत्र में भी कहर बरपा किया है।जिससे बिजली आपूर्ति प्रभवित हुई है। वहीं इसका सीधा असर पीएचईडी द्वारा जलापूर्ति पर भी देखा जा रहा है। भीषण गर्मी में जलसंसाधन विभाग के प्रोजेक्ट कॉलोनी ऊपरी शिविर और ई टाइप में पेयजल संकट गहराने लगा है।

दिल्ली से एसएसबी मुख्यालय के उप महानरीक्षक ने किया 47वीं वाहिनी रक्सौल का किया दौरा

बीएनएम। रक्सौल

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मुख्यालय नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (प्रचालन) सुधांशु नौटियाल ने 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल का महत्वपूर्ण दो दिवसीय दौरा किया। यह दौरा 01 जून 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें वाहिनी कार्यक्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण और बलकर्मियों के साथ बातचीत शामिल थी। अपने दौरे के दौरान, उप महानरीक्षक (प्रचालन) ने कई प्रमुख स्थानों का दौरा किया। जिनमें वाहिनी मुख्यालय रक्सौल, सीमा चौकी (बीओपी) धूपवाटोला एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) रक्सौल, कस्टम कार्यालय रक्सौल,समवाय मुख्यालय महादेवा, बीओपी हरपुर, और रक्सौल में मैत्री पुल शामिल थे। इस दौरों का उद्देश्य परिचालन तत्परता की समीक्षा करना, सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करना और तैनात बलों की तात्कालिक चिंताओं को संबोधित करना था। दौरे की मुख्य विशेषता एक सैनिक सम्मेलन रहा, जिसमें उप महानरीक्षक (प्रचालन) ने जवानों से सीधे संवाद किया। इस बातचीत ने जवानों को अपनी समस्याओं को व्यक्त करने और उप महानरीक्षक महोदय को बल कर्मियों की भलाई सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान किया। सैनिक सम्मेलन एसएसबी में एकता की भावना को बढ़ावा देने और सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए, उप महानरीक्षक (प्रचालन) ने वाहिनी के नए स्थान चिकनी में पौधारोपण भी किया। यह कदम पर्यावरण की सुरक्षा और संचालन के क्षेत्रों में हरित आवरण को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दौरे का मुख्य उद्देश्य वाहिनी की परिचालन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली का विस्तृत मूल्यांकन करना था। उनकी व्यस्तताएँ सीमा पर उच्च मानकों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए एसएसबी के निरंतर प्रयासों को दर्शाती हैं। जबकि मौके पर कमांडेंट विकास कुमार, 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रक्सौल, दीपक कृष्ण, उप कमांडेंट, प्रवीण, मैनेजर (आईसीपी) रक्सौल, धीरेंद्र कुमार एसडीपीओ रक्सौल एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बाइक और कार की सीधी टक्कर में दो बाइक सवार घायल, एक की स्थिति गंभीर

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के कंछेदवा चौक पर रविवार के दिन में कार और बाइक की सीधी टक्कर में बाइक पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। वहीं एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां से कार चालक फरार हो गया था।वहीं बाइक पर सवार उतरी कंनछेदवा यादव टोला निवासी कैलाश यादव के पुत्र लखींद्र यादव (28 वर्ष) तथा स्वर्गीय राजदेव यादव के पुत्र गोलू कुमार (16 वर्ष) घायल स्थिति में थे। दोनों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरसिद्धि में इलाज के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों लड़के बाइक से मठ लोहियार स्थित गैस एजेंसी में गैस लेने के लिए जा रहे थे, तभी कंनछेदवा चौक पर अरेराज की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिसमें बाईक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज मोतिहारी के किसी निजी नर्सिंग होम में चल रहा है, जिसमें लखींद्र यादव की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले में अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। फिलहाल अनुसंधान जारी है।

अपराध की योजना बना रहे 6 अपराधी गिरफ्तार, हथियार व जिंदा कारतूस बरामद

बीएनएम। बेतिया

मुफस्सिल पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अपराध की योजना बना रहे आधा दर्जन अपराधियों को एक लोडेड देशी पिस्टल, एक कट्टा और पांच जिंदा गोली के साथ धर दबोचा है । उक्त जानकारी देते हुए बेतिया सदर वन एसडीपीओ -1 विवेक दीप ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ अपराधी थाना क्षेत्र के हजारी स्थित सब्जी मंडी के पास मंदिर प्रांगण में बैठकर अपराध की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में एसडीपीओ -1 के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामारी करने का निर्देश दिया गया । टीम द्वारा सूचना का सत्यापन करते हुए त्वरित कार्रवाई कर छापामारी कर आधा दर्जन अपराधियों को धर दबोचा गया । पुलिस ने उनके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल , एक कट्टा, 3 जिंदा 7.65 mm गोली,315 बोर की दो जिंदा गोली, पिस्तौल की एक खाली मैगजीन और दो मोटरसाइकिल बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों में बानुछापर ओपी के बानुछापर निवासी हिमांशु कुमार पिता हीरानंद झा एवं कोली मुखिया उर्फ भोली पिता सकल मुखिया अहीर टोली, नगर थाना क्षेत्र के बसवड़िया पीपल चौक निवासी कन्हैया कुमार पिता रामगृही पटेल, नजन चौक वार्ड नंबर 19 निवासी मो साहेबजान उर्फ सिंटू पिता मोहम्मद आलमगीर एवं इंदिरा चौक निवासी मोहम्मद मुजाहिद आलम पिता स्वर्गीय हसन इमाम और मुफस्सिल थाना के गोड़वा टोला निवासी आनंद कुमार पिता मनोज यादव शामिल है। गठित पुलिस टीम में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह दरोगा राजीव कुमार शर्मा, दुर्गेश कुमार, प्रशिक्षु दरोगा अन्नु कुमारी, नीतीश कुमार मौर्य आदि शामिल थे।

संपादकीय

आईआईटी एक उत्कृष्ट संस्था है

अब कैंडिडेट का बीटेक में एडमिशन हेतु इंजीनियरिंग की सबसे कठिन एग्जाम जेईई एडवांस तो ख़त्म हो गए और अब मुश्किल से बिट्स पिलानी के एग्जाम बचे हैं कैंडिडेट ने सीईटी व अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन हेतु पहले ही एग्जाम दे दिए है अब एडमिशन लेने की बारी आती है मेरा जैसा आईआईटी रूडकी में किसी टेक्नोलॉजी के कोर्स हेतु कुछ महीने का एक्सपीरियंस है मैं सभी को यही राय देता हूँ इंस्टिट्यूट बहुत इम्पोर्टेन्ट है ब्रांच से कोम्प्रोमाईज़ कर सकते हैं इसका सबसे बड़ा कारण है वहाँ के काफी स्किल प्रोफेसर लेबरेटरी और इंफ्रास्ट्रक्चर जो अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज में नहीं मिल पाता है जब आईआईटी, रूडक़ी में गया तो पहले दिन के उद्घाटन सत्र में इतना बढ़िया ऐतिहासिक ऑडिटोरियम जो काफी बड़ा और खुशबु आ रहा था कि बैठते ही कई हजार किलोमीटर की थकान दूर हो गई और वहाँ के काफी स्किल प्रोफेसर जो वेल मेन्टेन थे इंजीनियरिंग विद्या से परिपूर्ण और फ्लूएन्ट इंग्लिश जो कम्युनिकेशन स्किल को बढ़ाती है वहाँ का शानदार कैम्पस जहाँ शोध करने के लिए आपको स्वच्छ वातावरण मिलता है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान के लिए शीर्ष संस्थान हैं। वर्तमान में, तेईस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैं जैसे बॉम्बे, दिल्ली, कानपुर, खड़गपुर, मद्रास, गुवाहाटी, रुड़की, हैदराबाद, पटना, भुवनेश्वर, रोपड़, जोधपुर, गांधीनगर, इंदौर, मंडी, वाराणसी, तिरुपति, पलक्कड़, गोवा, जम्मू, धारवाड़ और भिलाई। सभी प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 द्वारा शासित हैं, जिससे इन्हे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया गया है, और उनकी शक्तियों, कर्तव्यों, शासन के लिए रूपरेखा आदि निर्धारित करता हैआईआईटी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की विभिन्न शाखाओं में अवर स्नातक कार्यक्रम; विशेषज्ञता के साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम और विभिन्न इंजीनियरिंग और विज्ञान विषयों, अंतःविषय क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करते हैं; और बुनियादी, अनुप्रयुक्त और प्रायोजित अनुसंधान का आयोजन करते हैं। वर्तमान में, आईआईटी बी.टेक., बी.आर्क, एम.एससी., एम. डिजाइन, एम.फिल., एम.टेक, एमबीए और पीएच. डी. डिग्री प्रदान करते हैं। । आईआईटी में शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर है। ये संस्थान उद्योग में उभरते रुझानों के अनुसार पाठ्यक्रम का लगातार मूल्यांकन और संशोधन कर रहे हैं। वे गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों के माध्यम से अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकाय के ज्ञान को अद्यतन करने में भी योगदान करते हैं।जो अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज में नहीं मिलता है इसका एंट्रेंस एग्जाम भी दूसरे इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तुलना में कठिन होता है और इसमें जेईई मेन के बाद एडवांस भी होता है जो यह दर्शाता है कि वहाँ टॉप क्वालिटी के कैंडिडेट का एडमिन होता है कैंपस उसका इतना शानदार व लाइब्रेरी भी सेंट्रल लाइब्रेरी होता है उच्च कोटि के टीचर व लैब से काफो कुछ सिखने को मिलता है अच्छे तेज स्टूडेंट्स के साथ पढ़ना भी अच्छे संगत के साथ क़ोई गलत लत नहीं पड़ती है सेशन भी कभी लेट नहीं होता है सही समय पर डिग्री से आपकी उम्र बचती है जो किसी पद के आवेदन हेतु आयु बचती है लोग कंप्यूटर में आजकल किसी भी कॉलेज में एडमिशन लेकर यह जताने की कोशिश करते हैं कि आईआईटी में कंप्यूटर नहीं मिल रहा था इसलिए यहाँ एडमिशन लें लिया लेकिनउस ऐज में यदि पर्सनालिटी दो डेवल्प नहीं हुआ तो इंटरव्यू में फंस सकते है दूसरे कॉलेज में आई आई टी जैसा संगठन नहीं मिलता है जहाँ टेक्नोलॉजी पर रिसर्च होता है और ऐसे में संगत जब उत्कृष्ट कैंडिडेट से होता है तो काफी कुछ सिखने को मिलता है आईआईटी विभिन्न पाठ्यक्रमों में में प्रवेश प्ररीक्षाओं जैसे बी.टेक हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड), एम.टेक हेतु ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) और एम.एस.सी (जैम) के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट से किया जाता है अतः आईआईटी एक उत्कृष्ट संस्थान है जो आपको इंजीनियरिंग में सभी ब्रांच में उच्च कोटि का गुणवत्ता शिक्षा मिलती है अतः ब्रांच उतना महत्व नहीं रखता जितना इंजीनियरिंग पढ़ाई का माहौल व लैब इंफ्रास्ट्रक्चर और कम्युनिकेशन स्किल लीडरशिप क्वालिटी आदि के कारण आईआईटी इंजीनियरिंग पढ़ाई के लिए एक उत्कृष्ट संस्थान है जिसका क़ोई दूसरा विकल्प नहीं है.आईआईटी का मुख्य उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में विश्व स्तर की शिक्षा प्रदान करना; प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान करना, और अधिगम और ज्ञान के प्रसार को आगे बढ़ाना है। ये संस्थान बुनियादी विज्ञान और मानविकी में शिक्षा और अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

– संजय गोस्वामी

पर्यावरण हितैषी वाहन है साइकिल

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है। 3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी।

तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी।

अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

आसान है यह रेसिपी

गर्मी के मौसम में ठंडक का अहसास देंगी ये आइसक्रीम

गर्मियों के आते ही शरीर से पसीना निकलना शुरू हो जाता है। तेज धूप के कारण शरीर में गर्मी बढ़ जाती है, जो पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है।ऐसे मौसम में कुछ ऐसा खाने का मन करता है, जिसके जरिए शरीर को ठंडक का अहसास हो। अगर आप भी खान-पान के जरिए ठंडा महसूस करना चाहते हैं तो आइसक्रीम खाना ठीक रहेगा। इन आसान रेसिपी के जरिए आप स्वादिष्ट आइसक्रीम घर पर बना सकते हैं।

कृष्णकमल फल की आइस पॉप : कृष्णकमल के फल को पैशन फ्रूट भी कहा जाता है, जिससे आप आइस पॉप बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए 340 ग्राम कृष्णकमल के फल के गूदे को 2 गिलास नारियल के पानी में मिला दें।बीज हटाने के लिए छान लीजिए। मिश्रण को आइस पॉपसिकल के सांचे में डालें। सभी सांचों में इस फल के कुछ बीज डालें, फिर लकड़ी की छोटी छड़ियां डालें और कम से कम 6 घंटे के लिए जमा दें।

चेरी आइसक्रीम : चेरी आइसक्रीम बनाने के लिए चेरी को मोटा-मोटा काटकर पीस लें। अब इसमें चीनी और दूध मिलाएं और तेज गति पर 5 मिनट फेंटें, जब तक चीनी घुल न जाए।इस तैयार मिश्रण को एक बड़े बर्तन में निकालें और 4 घंटे या रातभर के लिए जमने दें।ताजी चेरी को आप फ्रीज करके भी रख सकते हैं। इसके लिए पहले इन्हें धोएं, फिर सुखाएं और एक एयरटाइट कंटेनर में लंबे समय तक फ्रीज करें।

फ्रूट सलाद आइसक्रीम : सबसे पहले 1 लीटर के टिन में प्लास्टिक रैप लपेट दें। अब क्रीम लें और नरम होने तक फेंटें। इसमें दही और गाढ़ा दूध डालें और 2 मिनट तक फेंटें।क्रीम मिश्रण का 1/4 हिस्सा टिन में डालें और फिर ऊपर से कटे हुए फल डालें और इस प्रक्रिया को दोहराते रहें।इसे प्लास्टिक रैप से लपेटकर सख्त होने तक कम से कम 4 घंटे के लिए फ्रीजर में रखें। इसे निकालकर प्लास्टिक हटाएं और काटकर परोसें।

दूध की पोषकता से खिलवाड़

दूध पोषकता का पर्याय है। दूध दुनिया को पोषण देता है। आहार-तत्व सम्बन्धी विज्ञान ही पोषण है। पोषण की प्रक्रिया में जीव पोषक तत्वों का उपयोग करते हैं। जीवन जीने के लिए भोजन (आहार) की आवश्यकता होती है। आहार/भोजन शुद्ध, पोषकता से भरपूर और ताजा होना चाहिए। आहार या भोजन के मुख्य उद्देश्य हैं – 1. शरीर को ऊर्जा या शक्ति प्रदान करना। 2. शरीर में कोशिकाओं या ऊतकों का पुनर्निर्माण करना। 3. शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना। स्वास्थ्य का आहार से घनिष्ठ सम्बन्ध है। पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो शरीर बीमार हो जाएगा। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज-लवण व पानी प्रमुख पोषण तत्व हैं। पोषण एक प्रक्रिया है जो शरीर को पोषक तत्व प्रदान करते हैं। पोषण, पोषक तत्वों के सही मिश्रण को संदर्भित करता है। अच्छा पोषण निरोगी काया की निशानी है। दूध एक ऐसा आहार है जिसमे सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। फ्रैंच वैज्ञानिक लेवोइजर को पोषण का जनक माना जाता है। उन्होंने 1770 ई. में चयापचय की खोज की। उन्होंने प्रदर्शित किया कि भोजन से ऊर्जा उसके ऑक्सीकरण के कारण प्राप्त होती है। दूध शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। दूध में एमिनो एसिड एवं फैटी एसिड मौजूद होते हैं। दूध संपूर्ण आहार है। दूध के बिना जीवन अधूरा है। दूध एक अपारदर्शी सफेद द्रव है जो मादाओं के दुग्ध ग्रन्थियों द्वारा बनाया जाता है। नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने में अक्षम होता है। दूध में मौजूद संघटक हैं - पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज, वसा विहिन ठोस। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5% होता है, घोड़ी में 90.1%, मनुष्य में 87.4%, गाय में 87.2%, ऊंटनी में 86.5%, बकरी में 86.9% होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन-ए, विटामिन-डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के दूध में प्रति ग्राम 3.14 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। गाय का दूध पतला होता है। जो शरीर मे आसानी से पच जाता है। एक भी खाद्य पदार्थ सभी की आपूर्ति नहीं करता है,लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है। वर्ष 2024 में विश्व दुग्ध दिवस का प्रसंग /थीम है - दुनिया को पोषण देने के लिए गुणवत्तापूर्ण पोषण प्रदान करने में डेरी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका। इसी उद्देश्य या प्रसंग को लेकर विश्व दुग्ध दिवस हर्सोल्लास से मनाया गया। हिन्दू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। गाय की पूजा होती है दूध स्वयं में सम्पूर्ण आहार है। गाय के दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर के द्वारा पंचगव्य का निर्माण किया जाता है। गाय से जुड़े इन पांच चीजों का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पंचगव्य से निर्मित औषधियों के सेवन से रोग दूर होते हैं। पंचगव्य से बने उत्पाद पूर्णतः रसायनमुक्त होने के कारण आरोग्यदायी होते हैं। गौ माता के शरीर से निरंतर सत्वकणों का प्रक्षेपण होता रहता है; इसलिए पंचगव्य से निर्मित औषधियां और उत्पाद सात्विक होते हैं। उनके प्रयोग से सात्विकता मिलती है। सात्विकता से सद्गुणों का विकास होता है। सद्बुद्धि आती है। यह तनाव को कम करता है और याददाश्त बढ़ता है। दूध देवत्व का कारक है। अतएव इसे अमृत कहा गया। गाय के स्पर्श मात्र से तनाव और शरीर में खून के प्रवाह में आराम मिलता है। पंचभूत के पांच तत्वों अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी, से मिलकर शरीर का निर्माण हुआ। पंचभूत से शरीर बना और शरीर को सुरक्षित रखने के लिए पंचगव्य बना। पंचगव्य रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ता है। पंचगव्य और पंचभूत परस्पर एक दूसरे के समानुपाती हैं। अर्थात ये दोनों एक दूसरे का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूध , दही, घी, गोमूत्र और गोबर (पंचगव्य के अवयव) क्रमशः अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी (पंचभूत के अवयव) का प्रतिनिधित्व करते हैं। अग्नि , वायु, आकाश, जल और पृथ्वी क्रमशः पित्त, वात, शून्य, कफ और मिट्टी(लेप) को दर्शाते हैं। शून्य तनाव नाशक है। शून्य, शांति का प्रतीक है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध शरीर में पित्त का नाश करती है। दही, वायु विकार को दूर करती है। घी तनाव का नाश करती है। जब शरीर में वात और पित्त का संतुलन रहता है तब शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। स्वस्थ्य शरीर तनाव मुक्त होने का परिचायक है। गोमूत्र, जल को दर्शाता है। जल कफ का प्रतीक है। अतएव गोमूत्र कफ नाशक है। यह शरीर में कफ का संतुलन बनाए रखती है। जिससे श्वसन प्रक्रिया स्वस्थ्य रहती है। गोमूत्र शरीर में जहर को ख़त्म करता है। गोबर, पृथ्वी को दर्शाता है। पृथ्वी, मिट्टी(लेप) का प्रतीक है। गोबर का लेप घर में किया जाए तो घर में सकारात्मकता बढ़ती है। पुराने समय में घर की दहलीज पर गोबर का लेप किया जाता था। गोबर , मिट्टी की शक्ति को दोगुना कर देता है। आज कल मिट्टी/गोबर के लेप का चलन शरीर को स्वस्थ्य रखने में किया जाता है। मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग बढ़ा है। गोबर के कंडो का प्रयोग बढ़ा है। गोबर में एंटीबैक्टीरियल के गुण हैं। मिट्टी के घड़ों का प्रयोग पानी पीने के लिए सर्वोत्तम है। ये पंचगव्य हमारे शरीर को पोषण प्रदान करते हैं। दूध से बने व्युत्पन्न उत्पाद जैसे घी, दही, छाछ, पनीर, लस्सी आदि डेरी के महत्व को बढ़ाते हैं। गाय के दूध से बने व्युत्पन्न पदार्थ पौष्टिकता के प्रतीक हैं। जब गौशाला से दूध डेरी उद्योगों में जाता है तो वहाँ दूध से बनने वाले व्युत्पन्न उत्पादों की संख्या बढ़ जाती है। डेरी उद्योगों से दूध प्रसंस्करित होकर लम्बे समय तक के लिए बाजार में उतरा जाता है। जिससे की प्रोसेस्ड मिल्क की शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है। इससे दूध ख़राब होने से बच जाता है। गौशालाऐं न हों तो डेरी उद्योगों का होना असंभव है। दुग्ध उद्योग, गौशालाओं से चल रहे हैं। गौशालाओं के रख रखाव की उचित व्यवस्था और उनकी संख्या बढ़ाए जाने को लेकर प्रदेश की सरकारें कई योजनाएं ला चुकी हैं। इन योजनाओं के द्वारा लोन देने की उचित व्यवस्था की गई है। इन योजनाओं के द्वारा लोगों को स्वरोजगार के मौके मिलेंगे। स्वरोजगार, स्वावलम्बन का प्रतीक है। स्वावलम्बन, स्वाभिमान को दर्शाता है। स्वाभिमान, स्वतंत्रता की जननी है। बिना गौशालाओं के दुग्ध उद्योगों की कल्पना व्यर्थ है। दुग्ध उद्योगों के बिना दूध से बने उत्पाद और उनके रखरखाव की कल्पना व्यर्थ है। इन उत्पादों के गुणवत्ता की जांच, उत्पादों के गुणवत्तापूर्ण पोषण को साबित करते हैं। गौशाला में गायों का स्वास्थ्य अच्छा होगा तो स्वाभाविक है कि दूध की गुणवत्ता भी पोषण से भरपूर होगी। दूध दूषित न हो इसका विशेष ख्याल रखना होगा। दूषित दूध, दूषित जीवन शैली का परिचायक है। दूषित दूध मात्र सफ़ेद जहर है। शुद्ध दूध अमृत है। किसी पदार्थ या भोजन की गुणवत्ता, उपयोग की उपयुक्तता होती है। किसी आहार का उसके विशेष लक्षण के अनुरूप होना, भोजन की गुणवत्ता कहलाती है। जैसे खट्टी दही का विशेष लक्षण खट्टा होना है। अतएव खट्टी दही का अपने विशेष लक्षण के अनुरूप होना, दही की गुणवत्ता को साबित करती है। इसी प्रकार दूध में 87.7% पानी, 4.9 प्रतिशत लैक्टोज़ (कार्बोहाइड्रेट), 3.4 प्रतिशत फैट, 3.3 प्रतिशत प्रोटीन और 0.7 प्रतिशत खनिज होता है। ये इसका विशेष लक्षण है। यदि दूध अपने विशेष लक्षण के अनुरूप है तो वह गुणवत्तापूर्ण पोषण का प्रतीक है। आज कल देखने को मिल रहा है कि दूध में सामान्यतः पानी मिलाकर दूधिया घर घर दूध बांटता है। यह जग जाहिर है। दूध में पानी मिलाने से दूध की मात्रा बढ़ जाती है। इसके बावजूद सामान्यतः लोगों का मानना है कि पानी मिला दूध दूषित नहीं होता है। जबकि दूध में पानी मिलाने पर दूध का फैट कम हो जाता है। वाह्य स्रोत से मिलाया गया पानी दूध को दूषित भी करता है। इससे दूध की गुणवत्ता में कमी आती है। दूध का गाढ़ापन (फैट) पानी मिलाने पर कम हो जाता है तो इसका गाढ़ापन (फैट) बढ़ाने के लिए दुग्ध उद्योग, दूध में यूरिया मिलाता है। यूरिया एक कार्बनिक यौगिक है। इसका रंग सफेद होता है और इसका इस्तेमाल फसलों के उत्पादन में किया जाता है। यह एक गंधहीन, जहरीला और बेस्वाद रसायन (केमिकल) है। इसे दूध में मिलाने से दूध का रंग नहीं बदलता है। इसे मिलाने से दूध गाढ़ा हो जाता है। दूध में फैट की मात्रा बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इस रसायन (केमिकल) के कई गंभीर नुकसान हैं। यह आपकी आंतों को खराब कर सकता है और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाता है। ध्यान रहे कि मिलावटी दूध पीने से आपको किडनी की बीमारी, दिल से जुड़े रोग, अंगों का खराब होना, कम दिखाई देना और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। यूरिया, दूध की शक्ति को क्षीण कर देता है। दूध में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने क लिए मेलामाइन नामक पदार्थ मिलाया जाता है। मेलामाइन एक प्रकार का मार्बल पत्थर का बुरादा (पाउडर) होता है। लोगों में मेलामाइन युक्त दूध पीने से से किडनी की समस्याएं हो रही हैं। आज कल किडनी के रोगी काफी संख्या में बढ़ गए हैं। दूध को लम्बे समय तक चलाने के लिए फॉर्मेलिन नामक रसायन मिलाया जाता है। इससे दूध की शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है। अर्थात दूध को अधिक समय तक रखा जा सकता है। फॉर्मेलिन युक्त दूध का उपभोग करने से लोगों में त्वचा सम्बन्धी बीमारी और कैंसर जैसी घातक बीमारी हो रही है। स्टार्च दूध में पाया जाने वाला एक और आम मिलावट है। दूध का घनत्व बढ़ाने के लिए इसमें स्टार्च मिलाया जाता है। यह दूध में मिलाए गए बाहरी पानी का पता लगाने से रोकने में मदद भी करता है। यह दस्त का कारण बन सकता है। शरीर में ज्यादा स्टार्च जमा होने से डायबिटीज जैसी बीमारी का खतरा होता है। दूध को फटने से बचाने और उसकी शेल्फ लाइफ (लम्बे समय तक रखे जाने हेतु) बढ़ाने के लिए आमतौर पर डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया जाता है। दूध में डिटर्जेंट (धुलाई का पाउडर) का उपयोग कई संक्रमण और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल जटिलताओं का कारण बनता है। इसलिए यह जांचना बहुत जरूरी है कि आपके दूध में डिटर्जेंट की मिलावट है या नहीं। आप इन मिलावटों की जांच इस प्रकार से कर सकते हैं-

दूध में यूरिया की जांच- एक टेस्ट ट्यूब में एक चम्मच दूध डालें। इसमें आध चम्मच सोयाबीन या अरहर की दाल का पाउडर डालें। मिश्रण को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद टेस्ट ट्यूब में लाल लिटमस पेपर डालें। आधे मिनट के बाद पेपर को निकाल लें। अगर लाल लिटमस पेपर का रंग बदल जाए, यानी वो नीले रंग का हो जाए तो समझ लें कि दूध में जहरीला यूरिया मिला है। दूध में पानी की जांच- लैक्टोमीटर एक वैज्ञानिक उपकरण है। लैक्टोमीटर दूध की शुद्धता मापने वाला उपकरण है। इस यंत्र का आविष्कार लीवरपूल के डिकास द्वारा किया गया। यह शीशे का बना एक छोटा से यंत्र होता है। इसके जरिए दूध के घनत्व के आधार पर दूध की शुद्धता और अशुद्धता का निर्धारण किया जाता है। इस यंत्र के जरिए दूध में पानी मिलाया गया है या नहीं, इसका पता आसानी से लगाया जा सकता है। दूध की शुद्धता को मापने के लिए दूध का सैंपल लिया जाता है। इसके बाद लैक्टोमीटर को दूध में डुबोया जाता है तथा यंत्र पर रीडिंग ली जाती है। सामान्यतः शुद्ध दूध की रीडिंग 32 होती है। दूध में पानी की मात्रा 87 प्रतिशत होती है। इसके कारण इसमें और भी अधिक पानी मिलाए जानी की संभावना रहती है। दूध की तरलता का लाभ उठाकर ही कुछ मिलावटखोर ऊपर से पानी मिला देते हैं। इसके कारण ग्राहक ठगा जाता है। अतिरिक्त पानी मिलाए जाने से दूध की स्वाभाविक तरलता बदल जाती है और उसका घनत्व भी बदल जाता है। यदि घनत्व का मापन कर लिया जाए तो इस बात का आसानी से पता लगाया जा सकता है कि दूध में पानी मिलाया गया है अथवा नहीं। लैक्टोमीटर आर्किमिडीज के सिद्धांत के आधार पर काम करता है। इसके कारण दूध के स्वाभाविक घनत्व में होने वाले परिवर्तन का पता चल जाता है और मिलावटी दूध की पहचान हो जाती है। मेलामाइन की जांच-मेलामाइन के अवशेषों के लिए एक तरल क्रोमैटोग्राफी ट्रिपल क्वाड्रुपोल टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी-एमएस/एमएस) विधि में 2.5% जलीय फॉर्मिक एसिड के साथ प्रारंभिक निष्कर्षण होता है, इसके बाद निस्पंदन, सेंट्रीफ्यूजेशन और कमजोर पड़ने के चरणों की एक श्रृंखला होती है। दूध में स्टार्च की मिलावट है कि नहीं ये चेक करने के लिए 5 मिली दूध में दो चम्मच नमक या आयोडीन मिला दें। अगर दूध का रंग नीला हो गया तो इसका मतलब है कि दूध में स्टार्च की मिलावट है। दूध में फॉर्मेलिन की मौजूदगी की जांच करने के लिए 10 मिलीलीटर दूध लें। टेस्ट ट्यूब और उसमें सल्फ्यूरिक एसिड की 2-3 बूंदें डालें। यदि सबसे ऊपर नीला छल्ला दिखाई दे तो दूध मिलावटी है अन्यथा नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दूध में मिलावट के खिलाफ भारत सरकार के लिए एडवायजरी जारी की थी और कहा था कि अगर दूध और दूध से बने प्रोडक्ट में मिलावट पर लगाम नहीं लगाई गई तो देश की करीब 87 फीसदी आबादी 2025 तक कैंसर जैसी खतरनाक और जानलेवा बीमारी का शिकार हो सकती है। मिलावटी दूध सफ़ेद जहर है। दूध की गुणवत्ता में कमी दूषित दूध का द्योतक है। पीने का पानी दूषित है तो वह प्यास बुझाएगा पर आत्मा को तृप्त नहीं करेगा। यह शरीर में अनेक बीमारी पैदा करेगा। उसी प्रकार दूध के दूषित होने पर वह सफ़ेद जहर बन जाता है। अतएव दूध और दुग्ध उत्पाद की पोषक तत्व की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। अतएव यह कहने में आश्चर्य नहीं होगा कि सामुदायिक स्वास्थ्य ही राष्ट्र की सम्पदा है। मिलावटी दूध को लेकर हम कह सकते हैं कि दूध की पोषकता का शोषण हो रहा है।

- डॉ. शंकर सुवन सिंह

रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रभावी शाकनाशी

हमारे देश में रबी अर्थात शीत ऋतु में मुख्य रूप से गेहूं, जौ, राई-सरसों, अलसी, चना, मटर, मसूर, गन्ना आदि फसलों की खेती की जाती हैं। फसलोत्पादन को प्रभावित करने वाले वातावरणीय कारकों यथा वर्षा जल, तापक्रम, आद्रता, प्रकाश आदि के अलावा जैविक कारकों जैसे कीट, रोग व खरपतवार प्रकोप से फसल उपज का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इन सभी फसल नाशकों में से खरपतवारों द्वारा फसल को सर्वाधिक नुकसान होता है।

रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु कारगर शाकनाशी

खरपतवारों के प्रकोप से दलहनी फसलों में 75 से 90 प्रतिशत, तिलहन फसलों में 25 से 35 प्रतिशत तथा गेहूं व जौ आदि खाद्यान्न फसलों में 10 से 60 प्रतिशत तक पैदावार घट जाती है। सही समय पर खरपतवार नियंत्रित कर लिया जावे तो हमारे खाद्यान्न के लगभग एक तिहाई हिस्से को नष्ट होने से बचा कर देश की खाद्यान्न सुरक्षा को अधिक मजबूत किया जा सकता है। खेत में खरपतवार फसल के साथ पोषक तत्वों, हवा, पानी और प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा करते है जिससे फसल उपज की मात्रा एवं गुणवत्ता में गिरावट हो जाती है।

प्रभावशाली ढ़ंग से खरपतवार नियंत्रण के लिए हमें खरपतवारों का ज्ञान होना अति आवश्यक है। रबी फसलों के साथ उगने वाले प्रमुख खरपतवारों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है ङ्क

1.चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार

बथुआ (चिनोपोडियम एल्बम), कृष्णनील (एनागेलिस आरवेंसिस), जंगली पालक (रूमेक्स डेन्टाटस), हिरनखुरी(कन्वावुलस आर्वेंसिस), सफ़ेद सेंजी (मेलीलोटस एल्बा), पीली सेंजी (मेलीलोटस इंडिका) जंगली रिजका (मेडीकागो डेन्टीकुलाटा), अकरा-अकरी (विसिया प्रजाति), जंगली गाजर (फ्यूमेरिया पारविफ़्लोरा), चटरी-मटरी (लेथाइरस अफाका),सत्यानाशी (आरजीमोन मेक्सिकाना) आदि।

2.संकरी पत्तीवाले खरपतवारः

गेहूंसा या गुल्ली डण्डा (फेलेरिस माइनर), जंगली जई (एवीना फतुआ), दूबघास(साइनोडान डेक्टीलोन)आदि।

3.मोथा कुल के खरपतवार

मौथ (साइप्रस प्रजाति) आदि।

एक बीज पत्रिय घास एवं मोथा कुल के खरपतवारों को ऐसे पहचानें

रबी फसलों के संकरी पत्ती वाले एक बीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के संकरी पत्ती वाले एक बीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार
रबी फसलों के चौड़ी पत्ती वाले द्विबीज पत्रिय खरपतवार

बेहतर उपज के लिए सही समय पर खरपतवारों का नियंत्रण

रबी फसलों से प्रति इकाई अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए इन फसलों की बुआई से लेकर प्रारंभिक 25-30 दिन तक की अवस्था तक खेत को खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक रहता है। फसल की बुवाई से लेकर फसल कटाई तक खेत में खरपतवार नियंत्रण की विधियाँ अपनाना आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं माना जा सकता है। इसलिए फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रान्तिक अवस्था में (सारणी-1 के अनुसार) खरपतवार नियंत्रण अति आवश्यक है, अन्यथा फसल उत्पादन में भारी क्षति होने की सम्भावना रहती है।

खरपतावार नियंत्रण के प्रमुख उपाय

खरपतवार प्रबन्धन के अंतर्गत खरपतवारों का निरोधन, उन्मूलन तथा नियंत्रण सम्मिलित होता है। खरपतवार नियंत्रण की सीमा में खरपतवारों की वृद्धि रोकना, खरपतवार तथा फसलों के बीच प्रतिस्पर्धा को घटाना, खरपतवार का बीज बनने से रोकना तथा बीजों तथा अन्य वानस्पतिक भागों का प्रसरण रोकने के अलावा खरपतवारों का सम्पूर्ण विनाश आता है जो खरपतवार प्रबन्ध का मुख्य उद्देश्य है। खरपतवार प्रबन्धन के अन्तर्गत निरोधी एवं चिकित्सकीय विधियाँ आती है। चिकित्सकीय विधि के अंतर्गत उन्मूलन तथा नियंत्रण सम्मिलित होता है।

परंपरागत रूप से खरपतवार नियंत्रण के लिए निंदाई, गुड़ाई ही कारगर विधि मानी जाती थी। परन्तु प्रतिकूल मौसम जैसे लगातार वर्षा अथवा मजदूर न मिलने के कारण यांत्रिक या सस्यविधियों से खरपतवार नियंत्रण कठिन होता जा रहा है। इन विषम परिस्थितियों में सीमित लागत तथा कम समय में अधिक क्षेत्रफल में फसल के इन दुश्मनों पर नियंत्रण पाने के लिए रासायनिक विधियाँ कारगर साबित हो रही है। शाकनाशियों के प्रयोग से खरपतवार उगते ही नष्ट हो जाते है जिससे उनकी पुर्नवृद्धि, फूल व बीज विकास रूक जाता है। शाकनाशियों को पमुख तीन वर्गों में बांटा गया है अथवा शाकनाशियों को तीन तरह से उपयोग कर सकते है।

1.बुवाई से पूर्व प्रयुक्त शाकनाशक (पी.पी.आई.)

इस प्रकार के शाकनाशक बुवाई के पूर्व खेत की अंतिम जुताई के समय छिड़काव कर मृदा में मिला दिये जाते है जिससे खरपतवार उगने से पूर्व ही समाप्त हो जाते है अथवा उगने पर नश्ट हो जाते है। ये शाकनाषक उड़नषील प्रकृति के होते है। अतः छिड़काव के साथ या तुरन्त पश्चात इन्हें भूमि में मिलाना आवष्यक रहता है, अन्यथा इनका प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए फ्लूक्लोरेलिन, ट्राईफ्लूरेलीन आदि।

अंकुरण पूर्व एवं बुवाई पश्चात प्रयुक्त शाकनाशक (पी.ई.)

इस प्रकार के शाकनाशकों बुवाई के तुरन्त पश्चात (24-36 घण्टे तक) एवं अंकुरण से पूर्व पप्रयोग में लाये जाते है। चूंकि ज्यादातर खरपतवार फसल उगने से पहले उग जाते है। अतः ये शाकनाषक उगते हुए खरपतवारों को नष्ट कर देते है तथा अन्य खरपतवारों को उगने से रोकते है। ये चयनित प्रकार के शाकनाशक होते है अर्थात फसल को क्षति नहीं पहुंचाते है। इनका प्रयोग करते समय भूमि में नमीं रहना अतिआवश्यक है अन्यथा इनकी क्रियाशीलता कम हो जाती है। उदाहरण के लिए एट्राजीन, एलाक्लोर, पेन्डीमेथालीन आदि।

3.अंकुरण पश्चात खड़ी फसल में प्रयुक्त शाकनाशक (पी.ओ.ई.) ङ्क

इस प्रकार के शाकनाषक फसल उगने के पश्चात खड़ी फसल में छिड़के जाते है। ये चुनिंदा (वरणात्मक) प्रकार के शाकनाषक होते है, जो कि खरपतवारों को विभिन्न रासायनिक क्रियाओं द्वारा नष्ट करते है तथा फसल को नुकसान नहीं पहुँचाते है। अनेक बार अन्य फसलों की बुवाई में व्यस्तता, लगातार वर्षा होने या अन्य किसी वजह से बुवाई पूर्व (पी.पी.आई.) या अंकुरण पूर्व (पी.ई.) शाकनाशकों का प्रयोग नहीं संभव हो सके तो बुवाई पश्चात खड़ी फसल में (पी.अी.ई.) शाकनाशकों का प्रयोग किया जा सकता है। खड़ी फसल में इनका प्रयोग करते समय थोड़ी सावधानियाँ रखना आवश्यक रहता है, जैसे विशिष्ट खरपतवारों के लिए संस्तुत उचित शाकनाषक की सही मात्रा का उचित समय एवं सही विधि द्वारा छिड़काव करना चाहिए अन्यथा फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खड़ी फसल में इनका प्रयोग करते समय चिपकने वाला पदार्थ (सर्फेक्टेन्ट) जैसे साबुन, शैम्पू, सैंडोविट आदि 0,5 प्रतिशत (500 मिली प्रति हैक्टर) को मिलाकर छिड़काव करने से ये पदार्थ खरपतवारों की संपूर्ण पत्तियों पर फैलकर चिपक जाते है एवं उनकी क्रियाशीलता को बढ़ाते है। ध्यान रखे कि स्प्रेयर की टंकी में पहले शाकनाषक मिलाये तथा बाद में सर्फेक्टेन्ट को डाल कर छिड़काव करें। जैसे 2,4-डी, मेटसल्फ्यूरोन मिथाइल, सल्फोसल्फुरान, क्यूजालोफ्प इथाईल, क्लोडिनोफाप आदि फसल विशेष खरपतवारनाशक है।

शाकनाशियों के छिडकाव के समय विशेष सावधानियां

कम मात्रा में प्रयोग से खरपतवारों पर ये कम प्रभावी तथा अधिक मात्रा होने पर फसल पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। फसलों में प्रयोग हेतु संस्तुत वर्णात्मक शाकनाशियों का ही प्रयोग करना चाहिए बुवाई से पूर्व तथा खरपतवार बीज अंकुरण से पहले प्रयोग किये जाने वाले शाकनाशी की क्रियाशीलता के लिए पर्याप्त नमीं का होना अति आवश्यक होता है।छिडकाव करते समय यह ध्यान देना चाहिए कि शाकनाशीय घोल का समान रूप से खेत में वितरण हो जिससे सम्पूर्ण खरपतवारों पर नियंत्रण हो सकें।

सारणीः खरपतवारों द्वारा रबी फसलों की उपज में हानि एवं फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा का क्रांतिक समय

रबी फसलें	उपज में संभावित कमीं	क्रांतिक समय
गेंहू	20-40	30-45
जौ	10-30	15-45
रबी मक्का	20-40	30-45
चना	15-25	30-60
मटर	20-30	30-45
मसूर	20-30	30-60
राई-सरसों	15-40	15-30
सूर्यमुखी	30-45	33-50
कुसुम (करडी)	15-45	35-60
अलसी	20-40	30-40
गन्ना	20-30	30-120
आलू	30-60	20-40
गाजर	70-80	15-20
प्याज व लहसुन	60-70	30-75
मिर्च व टमाटर	40-70	30-45
बैंगन	30-50	20-60

रबी फसलों में खरपतवारों की रोकथाम

खरपतवारों की रोकथाम में ध्यान देने योग्य बात यह है कि खरपतवारों का नियंत्रण सही समय पर करें। खरपतवारों की रोकथाम निम्नलिखित तरीकों से की जा सकती है।

निवारण विधि

इस विधि में वे सभी क्रियाएं शामिल हैं जिनके द्वारा खेतों में खरपतवारों के प्रवेश को रोका जा सकता है। जैसे-प्रमाणित बीजों का प्रयोग, अच्छी सड़ी गोबर एवं कम्पोस्ट खाद का प्रयोग, सिंचाई की नालियों की सफाई, खेत की तैयारी एवं बुवाई में प्रयोग किये जाने वाले यंत्रों की प्रयोग से पूर्व अच्छी तरह से सफाई इत्यादि।

सस्य विधि

गर्मी में खेत की गहरी जुताई, स्टेल सीड बेड विधि, जीरो टिल सीड ट्रिल अथवा हैप्पी सीडर का प्रयोग, फसल चक्र विधि, अनर्तवर्ती फसल विधि इत्यादि का प्रयोग भी खरपतवारों को नियंत्रित करता है।

यांत्रिक विधि

खरपतवारों पर काबू पाने की यह एक सरल एवं प्रभावी विधि है। फसल की प्रारंभिक अवस्था में बुवाई के 15-45 दिन के मध्य फसलों को खरपतवारों से मुक्त रखना जरुरी है।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार एवं उनका प्रबंधन

कृषि में खरपतवार आज की समस्या नहीं अपितु मनुष्य ने जब से कृषि कार्य प्रारम्भ किया तभी से यह उसके साथ है। प्रारम्भ में मनुष्य ने अपने चारों ओर उगे कुछ उपयोगी पौधों को चुना और उन्हें अपनी खाद्य समस्या हल करने के लिए उगाना शुरु किया।

कृषि में खरपतवार आज की समस्या नहीं अपितु मनुष्य ने जब से कृषि कार्य प्रारम्भ किया तभी से यह उसके साथ है। प्रारम्भ में मनुष्य ने अपने चारों ओर उगे कुछ उपयोगी पौधों को चुना और उन्हें अपनी खाद्य समस्या हल करने के लिए उगाना शुरु किया। अनुभव के परिणाम स्वरुप उसने देखा कि बोई गई फसल के अतिरिक्त कुछ बिना बोये गये अनचाहे पौधे उग आते हैं जो फसल की वृध्दि रोक अधिकतम पैदावार लेने में बाधक होते हैं। इन्हीं अवांछित पौधों को जो बिना बोये ही फसलों के साथ उग आते हैं खरपतवार कहा जाता है। देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न पूर्ति की समस्या का समाधान तभी सम्भव है जब जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौती को ध्यान में रखते हुए प्राप्त इकाई से अधिक से अधिक उत्पादन लिया जाए तथा उर्वरक, पानी आदी साधनों को समुचित ढंग से अपनाने के साथ ङ्क साथ फसल को खरपतवार, कीट, रोग आदि से भी बचाया जाए। यदी किसान को अपनी फसल से भरपूर उपज प्राप्त करनी है तो अपनी फसल के प्रमुख शत्रु, खरपतवारों पर नियंत्रण कर उनको समय से नष्ट करना होगा। खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को लगभग 3।न्न तक कम करती है।

खरपतवारों से हानियां

आमतौर पर विभिन्न फसलों की पैदावार में खरपतवारों द्वारा 5 से 85न्न तक की कमी प्रकोप एवं परिस्थितियों के आधार पर आंकी गयी हैं। कभीङ्कभी तो यह शत-प्रतिशत तक हो जाती है। खरपतवार फसलों के लिए भूमि में निहित पोषक तत्व एवं नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा साथ ही साथ फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। फलस्वरुप पौधे की विकास गति धीमी व गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। यह भी देखा गया है कि जहां खरपतवारों का प्रकोप ज्यादा होता है वहां कीटों एवं बीमारियों का आक्रमण भी बढ़ जाता है। खरपतवारों द्वारा पोषक तत्वों का पलायन एवं पैदावार में कमी एवं हानि का विवरण क्रमशः (सारणी 1-2) में दिया गया है।

खरपतवारों की रोकथाम

प्राय-देखा गया है कि किसान फसल में कीड़े-मकोड़ों एवं रोग-बीमारियों की रोगथाम की ओर तुरन्त ध्यान देते हैं लेकिन खरपतवारों के प्रति उदासानी रहते हैं। यहां पर महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बात यह है कि फसल को हमेशा न तो खरपतवार मुक्त रखा जा सकता है और न ही ऐसा करना आर्थिक द्रष्टि से लाभकारी है। अत- क्रान्तिक (नाजुक) अवस्था (सारणी-3) में विशेषकर खरपतवार नियंत्रण के तरीकों को अपनाकर पैदावार में कमी को रोका जा सकता है। साथ ही किसान इस बात का ध्यान विशेष रुप से रखें कि उखाड़े गए खरपतवार मेंढों पर न छोड़ें उन्हें एक जगह गड्ढे में इकट्ठा करें अन्यथा उनके बीज गिरकर पुन-वर्षा आदि से खेतों में पहुंचकर हानि पहुचाते हैं।

रबी फसलों के प्रमुख खरपतवार

किसी स्थान पर खरपतवारों की उपस्थिति वहां की जलवायु, भूमि, संरचना, भूमि में नमी की मात्रा, खेतों में बोई गई पिछली फसल आदि पर निर्भर करती है। इसलिए एक ही फसल में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग प्रकार के खरपतवार पाये जाते हैं। विभिन्न रबी फसलों में उगने वाले प्रमुख खरपतवारों का विवरण सारणी-4 में दिया गया है।

सामान्यत

दो निराई-गुड़ाई, पहली 20-25 व दूसरी 45 दिन बाद करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है। इसके लिए परम्परागत कृषि यंत्रों के अतिरिक्त उन्नत नीदानाशक यंत्रों जैसे खींचकर अथवा ढकेलकर चलाये जानेवाले सस्ते हल्के एवं प्रभावी वीडरों का प्रयोग किया जा सकता है। इन यंत्रों का प्रयोग कतार में बोई गई फसलों में ही सम्भव है।

संक्षिप्त समाचार

डॉर्टमुंड को 2-0 से हराकर रियल मैड्रिड बना चैंपियन

लंदन। स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड ने 15वीं बार यूरोपियन फुटबॉल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब जीता। रियल मैड्रिड ने डॉर्टमुंड को 2-0 से एकतरफा अंदाज में हराते हुए यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। शनिवार देर रात लंदन के वेम्बली स्टेडियम में रियल मैड्रिड ने टीम जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। हालांकि, मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच धीमी रही और किसी भी टीम ने ज्यादा रिस्क नहीं लिया। यही कारण था कि पहला क्वार्टर खत्म होने के बावजूद स्कोर 0-0 रहा। रियल मैड्रिड और डॉर्टमुंड ने कई मौके जरूर बनाए, लेकिन वे गोल दागने में सफल नहीं रहे। डॉर्टमुंड के लिए 23वें मिनट में निकलस फुलक्रुग ने शानदार मौका बनाया लेकिन गेंद गोल पोस्ट से टकराकर आ गई। पहला हाफ गोलरहित खत्म होने के बाद दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रमण तेज कर दिया। लेकिन डॉर्टमुंड ने अपने डिफेंस में कोई गलती नहीं की। एक समय ऐसा लगा कि मैच ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा है। मगर फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हुआ और रियल मैड्रिड के लिए पहला गोल डानी कार्वाहाल ने 74वें मिनट में किया। इसके बाद डॉर्टमुंड ने भी अटैक शुरू किया लेकिन इसका उन्हें लाभ नहीं मिला। मैच के 83वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड की बढ़त डबल कर दी। इस तरह रियल मैड्रिड ने 15वीं बार यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। मैड्रिड के कोच कार्लो एन्सेलोटी ने कहा, आप कभी भी इसके आदी नहीं हो सकते। यह जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक कठिन था। पहले हाफ में हमें परेशानी उठानी पड़ी, दूसरे हाफ में हमने वापसी की और बेहतर खेला लेकिन अब ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। हम जीत गए। आगे भी यह जारी रहेगा। डॉर्टमुंड के मुख्य कोच एडिन ट्रैजिक ने कहा, हमने शानदार प्रदर्शन किया और मुझे लगता है कि हम 2-0 से हार के हकदार नहीं थे। पहले सेकंड से ही हमने दुनिया को दिखा दिया कि हम यहां सिफ़र् फ़ाइनल खेलने नहीं आए हैं, बल्कि इसे जीतने आए हैं।

निर्वान यादव ने सब जूनियर अंडर-13 मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

निर्वान यादव के पिता डॉ हिमांशु यादव ने दी जानकारी

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर के निवासी व बैडमिंटन खिलाड़ी निर्वान यादव ने बदायूं में आयोजित हो रही योनेक्स सनराइज अप स्टेट फर्स्ट सब जूनियर अंडर 13 मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। निर्वान यादव के पिता डॉ हिमांशु यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा 31 में से 3 जून तक योनेक्स सनराइज अप स्टेट फर्स्ट सब जूनियर अंडर 13 मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन बदायूं में हो रहा है। जिसके क्वार्टर फाइनल मैच में निर्वान यादव ने रविवार को कानपुर के शार्दुल खत्री को 21- 11, 23-21, 21-14 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया है। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल व फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। निर्वान यादव की इस सफलता पर मुरादाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव सतीश शर्मा, संयुक्त सचिव मनीष भट्ट, डॉ जीएस माटेला, सचिन घावरी, देशकांत त्यागी, आसिफ सिद्दीकी, प्रत्यूष यादव ने हर्ष जताया हैं।

वॉर्म-अप मैच में पंत-हार्दिक का फॉर्म भारत के लिए अच्छे संकेत

डैलस। टी20 विश्व कप से पहले वॉर्म-अप मैच में हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत के अंदाज ने टीम इंडिया को बड़ा कॉन्फिडेंस दिया है। दोनों ही खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने पुराने अंदाज में परफॉर्म किया। इसके दम पर भारतीय टीम ने अपने इकलौते वॉर्मअप मैच में बांग्लादेश को 62 रन से हराया। भारत के लिए मैच के हीरो रहे हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की खूब धुनाई की। नसाउ इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत ने ऋषभ पंत (53 रन) और हार्दिक पांड्या (40 रन) के दम पर 183 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट पर 120 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों डिपार्टमेंट में भारत का प्रदर्शन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अच्छे संकेत हैं। इस मुकाबले में टीम इंडिया ने कई एक्सपेरिमेंट किए। कप्तान रोहित शर्मा के साथ संजू सैमसन ओपनिंग करते नजर आए। हालांकि, वह मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। सडक़ हादसे के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार वापसी कर रहे ऋषभ पंत ने शानदार अर्धशतक जड़ा। रिटायर्ड आउट होने से पहले पंत ने 32 गेंदों में 4 चौके और इतने ही छक्के जड़े। वहीं, रोहित शर्मा अब भी बल्ले के साथ संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। हिटमैन ने 19 गेंदों में मात्र 23 रन बनाए। यहां हार्दिक पांड्या ने करीब 200 की स्ट्राइक रेट से 40 रन बनाए। उनका इस तरह बल्लेबाजी करना फैंस और टीम इंडिया के लिए एक अच्छी खबर है। हार्दिक ने लगातार तीन छक्के भी लगाए। सूर्या ने भी 31 रन की पारी खेली, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 172 से ज्यादा था। गेंदबाजी में भारतीय कप्तान ने आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। उन्होंने पावरप्ले के अंदर चार गेंदबाजों से गेंदबाजी कराई, जो आमतौर पर नहीं देखा जाता। इस प्रयोग के दौरान शिवम दुबे ने तीन ओवर में मात्र 13 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे एक ऑलराउंडर के रूप में उन्होंने अपनी छवि और मजबूत की। टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में 2 जून से 29 जून तक खेला जा रहा है। टूर्नामेंट के मुकाबले नौ मैदानों पर हो रहे हैं। इनमें से छह वेस्टइंडीज में और तीन अमेरिका में हैं। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 9 जून को पाकिस्तान से टक्कर होगी। टीम इंडिया के सभी मैच भारत में रात 8 बजे से दिखाए जाएंगे।

चंबल क्रिकेट लीग सीजन-3 : फाइनल मैच में चौरेला टीम बनी विजेता

औरैया। चंबल म्यूजियम द्वारा आयोजित चंबल क्रिकेट लीग सीजन-3 का फाइनल मुकाबला भिंड और चौरेला टीमों के बीच खेला गया। जालौन, इटावा और भिंड सीमा के बीहड़ों में स्थित चौरेला ग्राउंड पर मुख्य अतिथि शिक्षाविद डॉ. कैलाश यादव ने फीता काटकर फाइनल मैच में खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि खेल को जीवन में उतारना चाहिए। खिलाड़ी पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से खेलें। चौरैला टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भिंड टीम निर्धारित 15 ओवर भी नहीं खेल पाई। भिण्ड टीम 13.4 ओवर में 74 रन पर आल आउट हो गई। भिण्ड टीम के खिलाड़ी अवनीश ने सर्वाधिक 2 छक्का सहित 14 रन का योगदान दिया। चौरेला टीम के खिलाड़ी विनीत और शिवम ओझा ने 3-3 विकेट झटके। जवाब में उतरी चौरेला टीम 13 ओवर में 7 विकेट के नुकसान से 75 रन बनाकर जीत हासिल की। चौरेला टीम को एक-एक रन के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। चौरेला टीम के खिलाड़ी पुनीत ने सर्वाधिक 4 चौके सहित 19 रन का योगदान दिया। चौरेला खिलाड़ी आशीष 18 रन बनाने के साथ 2 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे। चंबल क्रिकेट लीग सीजन-3 का 16 दिवसीय समापन समारोह में अतिथि के तौर पर पधारे वरिष्ठ कथाकार ए. असफल ने कहा कि चौरेला गांव कुख्यात दस्यु सरगना जगजीवन परिहार के नाम से जाना जाता था लेकिन अब यह गांव खेल गांव बन चुका है। यहां खेल का आयोजन लगातार सुचारू रूप से चलाया जाए। सूरजरेखा त्रिपाठी एडवोकेट ने कहा कि चंबल आश्रम, हुकुमपुरा में आयोजित दूसरे सीजन की पहले भी गवाह बन चुकी हूं। खिलाड़ियों की कोई जाति नहीं होती। आप चंबल अंचल के स्वतंत्रता संग्राम के रणबाकुरों की याद में मैच खेल रहे हैं। इतिहासकार देवेंद्र सिंह चौहान ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि चौरेला ग्राउंड की पिच पर आप पूरी शिद्दत के साथ खेलें। चंबल में सच के लिए बगावत की परम्परा रही है। चाहे जो भी कुर्बानी देनी पड़े।

डोडा में दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का किया गया आयोजन

डोडा। भारतीय सेना ने हायर सेकेंडरी स्कूल अस्सर में रविवार को एक शानदार दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया। यह रोमांचक आयोजन भारतीय सेना और स्थानीय समुदाय के बीच आपसी समझ और सद्भावना की गहरी भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मैच में दो दुर्जेय टीमों (हायर सेकेंडरी स्कूल अस्सर और न्यू स्टार क्लब अस्सर) के बीच एक रोमांचक मुकाबला हुआ। दोनों पक्षों के प्रतिभागियों ने वॉलीबॉल कोर्ट पर असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया व अपने एथलेटिकिज्म और रणनीतिक खेल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हालाँकि हायर सेकेंडरी स्कूल की टीम ने बेहतरीन कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए बेस्ट-ऑफ़-थ्री सेट प्रारूप में 2-0 से जीत हासिल की। उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन ने मैच के हर पल को एक रोमांचक दृश्य में बदल दिया। इस रोमांचक मुकाबले में 120 दर्शकों की उत्साही भीड़ उमड़ी जिसमें स्कूल के शिक्षकों का पूरा दल, उप-प्रधानाचार्य और स्कूली बच्चों की एक जीवंत सभा शामिल थी। समुदाय का समर्थन स्पष्ट था जिसमें बच्चे और युवा शामिल थे जो इस आयोजन की व्यापक अपील को रेखांकित करता है। इस रोमांचक मैच के बाद विजेता और बहादुर उपविजेता दोनों टीमों को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस शानदार आयोजन ने न केवल रोमांचक मनोरंजन प्रदान किया बल्कि सेना और स्थानीय लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी काम किया।

इसने राष्ट्र की सेवा के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता और अपने द्वारा संरक्षित समुदायों के साथ मजबूत, सकारात्मक संबंधों को पोषित करने के लिए उसके समर्पण को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। इस मैच की शानदार सफलता ने इस तरह की पहल के गहन और स्थायी प्रभाव को उजागर किया जिसने क्षेत्र के भीतर समर्थन और सौहार्द के स्तंभ के रूप में सेना की भूमिका को मजबूत किया।

सबालेंका, रिबाकिना की संघर्षपूर्ण जीत, 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा चौथे दौर में

पेरिस। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, चौथी सीड एलेना रिबाकिना और उभरती खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने महिला एकल में तीसरे दौर के मुकाबलों में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट में एक और दिन बारिश से बाधा पड़ी जबकि सबालेंका और रिबाकिना ने शुरूआती ब्रेक से उबरते हुए दूसरे सप्ताह में जगह बना ली। सबालेंका ने 3-5 से पिछडऩे के बाद वापसी करते हुए पाउला बडोसा को 77 मिनट में 7-5, 6-1 से हरा दिया। इससे पहले रिबाकिना ने 25वीं सीड एलिस मर्टेंस को 67 मिनट में 6-4, 6-2 से पराजित किया। सबालेंका पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंची थी और इस बार भी वह दूसरे सप्ताह में पहुंच गयी हैं और लगातार सातवें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल स्थान से दो मैच दूर हैं। रौलां गैरो में 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के फाइनल मैच में सेरेना विलियम्स को हराकर रिबाकिना 2021 में पेरिस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। हालाँकि, वह 2022 के तीसरे दौर में कीज़ से हार गईं और बीमारी के कारण सारा सोरिब्स टॉर्मो के खिलाफ 2023 के तीसरे दौर से पहले ही हट गईं। मीरा एंड्रीवा और पीटन स्टर्न्स ने अपने निर्धारित मैच को कोर्ट 6 से कोर्ट 7 और अंततः कोर्ट 2 में स्थानांतरित होते देखा। एक महत्वपूर्ण मैच खेलने के लिए पूरे दिन इंतजार किया। 17 वर्षीय एंड्रीवा स्टर्न्स को 6-2, 6-1 से 67 मिनट में हराकर चौथे दौर में पहुंच गयीं। एंड्रीवा किसी भी ड्रा में आने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं और स्टर्न्स से लगभग पांच साल छोटी हैं। एंड्रीवा ने लगभग स्टर्न्स (51) जितने ही डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय मैच (43) खेले हैं। तीन दिन पहले, गैर वरीयता प्राप्त नाओमी ओसाका ने नंबर 1 वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को हार के कगार पर पहुंचा दिया था, अब सबालेंका की बारी थी, जिन्हें कोर्ट फिलिप-चैटरियर पर एक पूर्व शीर्ष -3 खिलाड़ी ने जोर से झटका दिया था। पाउला बडोसा, जिन्होंने पिछला साल पीठ की चोट से जूझते हुए बिताया था और जिनकी रैंकिंग गिरकर 139वें नंबर पर आ गई थी, अपने सर्वश्रेष्ठ टेनिस प्रदर्शन के साथ पहले सेट में 5-3 से आगे रहीं। पहले आठ गेम में दोनों के बीच पांच बार सर्विस ब्रेक हुई थी। लेकिन सबालेंका ने अपने खेल को मजबूत करते हुए जवाब दिया, पहले सेट में सर्विस पर सिर्फ एक और अंक गंवाया और लगातार आठ गेम जीतकर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त ले ली। उनका ड्रॉप शॉट भी महत्वपूर्ण साबित हुआ, जिससे उन्हें पहले सेट में वापसी के रास्ते में तीन महत्वपूर्ण अंक मिले और फिर मैच का अंतिम अंक मिला। सबालेंका ने अब अपनी अच्छे दोस्त बडोसा के खिलाफ लगातार पांच मैच जीते हैं और कुल मिलाकर 5-2 से आगे हैं। इस मैच से पहले, रिबाकिना ने मर्टेंस के साथ अपने पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की थी, जिसमें इस साल ब्रिस्बेन के तीसरे दौर में 6-1, 6-0 से हार भी शामिल थी।

व्यापार

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट, अन्य की कीमतें मजबूत

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मुर्गीदाने में इस्तेमाल किये जाने वाले डी-आयल्ड केक (डीओसी) का भाव कमजोर होने से सोयाबीन तिलहन तथा ऊंचे भाव पर कारोबार प्रभावित होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। विदेशों में दाम मजबूत होने से सोयाबीन तेल, आवक कमजोर रहने से सरसों तेल-तिलहन, पामोलीन का दाम मजबूत होने के कारण सीपीओ और पामोलीन तेल तथा माल की कमी के बीच बिनौला तेल के दाम मजबूत बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि डीओसी के भाव कमजोर होने की वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। वैसे भी गर्मियों में डीओसी की मांग कम ही रहती है। दूसरी ओर कांडला बंदरगाह पर पिछले सप्ताह जिस सोयाबीन तेल का दाम 1,035-1,040 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढक़र 1,070-1,075 डॉलर प्रति टन हो गया। तेल कीमतों में आई इस तेजी की वजह से सोयाबीन के सभी तेल के दाम मजबूत बंद हुए। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की ही तरह पामोलीन के दाम में भी समीक्षाधीन सप्ताह में तेजी आई। इससे पहले पामोलीन का दाम 930-935 डॉलर टन था जो समीक्षाधीन सप्ताह में बढक़र 935-940 डॉलर प्रति टन हो गया। इसकी वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूती दर्शाते बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि वायदा कारोबार में बिनौला खल के जून अनुबंध का भाव 2,740 रुपये क्विंटल है जबकि बिनौला के बढिय़ा खल का हाजिर भाव 3,450 रुपये क्विंटल है। इस बात का पता लगाया जाना चाहिये कि वायदा कारोबार में जिस खल का इतना कम दाम चलाया जा रहा है क्या वह नकली खल का दाम है? कपास बिजाई के ऐन मौके पर इस तरह खल के दाम तोडऩे का क्या मकसद है? क्या इसका उद्देश्य कपास किसानों को हतोत्साहित करना है? जो लोग इस तरह की काम में लगे हैं, उनका पता कर उनपर लगाम लगाने का प्रयास किया जाना चाहिये। सूत्रों ने कहा कि तेल मिलों को अप्रैल-मई में सामान्य वर्षों की तरह सरसों की आवक बढऩे और दाम कमजोर पडऩे की उम्मीद थी। इस दौरान बड़ी तेल मिलें और कच्ची घानी की तेल मिलें बड़ी मात्रा में खरीद कर अपना स्टॉक जुटा लेती थीं। लेकिन इस बार उनकी यह उम्मीद पूरी नहीं हुई क्योंकि किसानों की ओर से मंडियों में सरसों की आवक अपेक्षा से कमजोर रही। मिल वालों के पास स्टॉक की कमी है। इस वजह से सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि मूंगफली का जो ऊंचा भाव है, इस दाम की वजह से यह तेल चलेगा नहीं। सरकार को इस ओर ध्यान देना होगा। ऊंचे दाम पर कारोबार ढीला रहने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में हानि दर्ज हुई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 60 रुपये के सुधार के साथ 6,060-6,110 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 125 रुपये बढक़र 11,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,900-2,000 रुपये और 1,900-2,015 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,840-4,860 रुपये प्रति क्विंटल और 4,640-4,760 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके उलट, सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 125 रुपये, 75 रुपये और 110 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,400 रुपये और 10,200 रुपये और 8,860 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में ऊंचे भाव की वजह से कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। मूंगफली तिलहन का दाम 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,125-6,400 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 200 रुपये और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,650 रुपये क्विंटल और 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 100 रुपये की तेजी के साथ 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की तेजी के साथ 10,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 125 रुपये की तेजी के साथ 9,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। माल की कमी के बीच तेजी के आम रुख के अनुरूप बिनौला 75 रुपये की तेजी के साथ 10,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गौतम अदाणी ने नॉर्वे शतरंज में इतिहास रचने पर प्रग्नानंदा को दी बधाई

नई दिल्ली। भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी आर. प्रग्नानंदा ने नॉर्वे शतरंज में इतिहास रच दिया है। देश में इस खुशी के मौके पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने भी प्रग्नानंदा के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया है। गौतम अदाणी ने रविवार को 18 वर्षीय आर. प्रग्नानंदा की सराहना की और उन्हें 2024 नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में क्लासिकल शतरंज में विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत के लिए बधाई दी। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने नॉर्वे के स्टावेंजर में शतरंज प्रतियोगिता में राउंड-3 में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद राउंड-5 में कारुआना को हराया। भारतीय स्टार ग्रैंडमास्टर ने अब एक ही टूर्नामेंट में वर्ल्ड टॉप-2 को हराकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अविश्वसनीय प्रग्नानंदा! नॉर्वे शतरंज में क्लासिकल शतरंज में विश्व के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 फैबियानो कारुआना को हराना अद्भुत है। आप शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और अभी सिर्फ 18 साल के हैं!..तिरंगा को ऊंचा फहराते रहिए.. ढेर सारी शुभकामनाएं। इस जीत के साथ प्रग्नानंदा ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाई, और 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। नॉर्वे शतरंज के आधिकारिक हैंडल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रग्नानंदा इज बैक। युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रग्नानंदा ने राउंड 5 में वर्ल्ड नंबर-2 फैबियानो कारूआना को हराकर शतरंज की दुनिया को फिर से चौंका दिया! राउंड 3 में वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद, उन्होंने अब पहली बार क्लासिकल शतरंज में शीर्ष दो खिलाडियों को हराया है, और शीर्ष 10 में जगह बनाई है! इस बीच प्रग्नानंदा की बहन वैशाली ने दिग्गज खिलाड़ी पिया क्रैम्लिंग को हराकर अपना दबदबा जारी रखा और अपनी बढ़त को कुल 8.5 अंकों तक पहुंचा दिया।

पिछले पांच आम चुनाव नतीजों के बाद कैसा रहा बाजार का प्रदर्शन?

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 के सात चरणों का मतदान पूरा हो चुका है। परिणाम 4 जून को घोषित किए जाएंगे। चुनाव और शेयर बाजार का सीधा संबंध होता है। चुनाव परिणाम के दिन बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जाता है। नई सरकार की नीतियों का असर भी अगले कुछ महीने में बाजार में दिखाई देता है। इस आर्टिकल में हम पिछले पांच आम चुनावों के आंकड़ों का विश्लेषण करेंगे। पिछले पांच आम चुनावों में मतगणना के दिन सेंसेक्स ने तीन बार 1999, 2004 और 2019 में क्रमशः 0.24 प्रतिशत, 11.10 प्रतिशत और 0.76 प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया। वहीं, दो बार 2009 और 2014 में क्रमशः 17.70 प्रतिशत और 0.90 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया था। नतीजे घोषित होने के एक महीने के बाद सेंसेक्स ने 2009 में 22.20 प्रतिशत, 2014 में 4.59 प्रतिशत और 2019 में 0.99 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया था। 1999 और 2004 में ही बाजार ने 2.11 प्रतिशत और 10.50 प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया था। आम चुनावों के नतीजे आने के छह महीने बाद बाजार ने पांचों बार सकारात्मक रिटर्न दिया है। सेंसेक्स ने 1999 में 7.56 प्रतिशत, 2004 में 9.82 प्रतिशत, 2009 में 35.05 प्रतिशत, 2014 में 15.71 प्रतिशत, 2019 में 4.27 प्रतिशत का रिटर्न दिया था। आनंद राठी शेयर्स और ब्रोकर्स की यूएई बिजनेस एंड स्ट्रेटेजी की प्रमुख, तनवी कंचन का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार पर इस चुनाव का कोई खास असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, अगर मौजूदा सरकार मजबूती के साथ आती है तो भारत में राजनीतिक स्थिरता जारी रहेगी।

चुनाव नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने मई में शेयरों से 25,586 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में भारतीय शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये की भारी निकासी की है। यह मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल के 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के शुद्ध निकासी के आंकड़े से कहीं अधिक है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। वहीं जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की थी। आम चुनाव के नतीजे चार जून को आने हैं। इससे निकट भविष्य में भारतीय बाजार में एफपीआई प्रवाह की दिशा तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार विजयकुमार ने कहा कि मध्यम अवधि में अमेरिकी ब्याज दरें एफपीआई प्रवाह पर अधिक प्रभाव डालेंगी। आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में शेयरों से शुद्ध रूप से 25,586 करोड़ रुपये निकाले हैं। वॉटरफील्ड एडवाइजर्स के निदेशक-सूचीबद्ध निवेश विपुल भोवर ने कहा, ''अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन और विशेष रूप से वित्तीय और आईटी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के साथ राजनीतिक अनिश्चिता की वजह से एफपीआई भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं। इसके अलावा चीन के बाजारों के प्रति एफपीआई के आकर्षण की वजह से भी एफपीआई भारतीय शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं।''

नहीं देखा कपिल का नया शो, वापसी पर बोले अली असगर

कपिल शर्मा ने नए शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के जरिए वापसी की। इस बार उनके साथ सुनील ग्रोवर भी साथ आए जिससे फैंस काफी खुश हुए। दरअसल, लड़ाई के बाद सुनील और कपिल ने साथ में शो करना छोड़ दिया था। जब सुनील गए थे उसके बाद अली असगर ने भी शो छोड़ दिया था। अब अली का नया शो आ रहा है चड्डी बड्डी। अली से कहा गया कि आज भी दर्शक चाहते हैं कि कपिल के शो में वह नजर आएं तो क्या वह वापसी का प्लान बना रहे हैं। इस पर अली ने ई टाइम्स से बात करते हुए कहा, यह तो दर्शकों का प्यार है कि वे अब भी मुझे शो में वापस चाहते हैं। मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि दर्शक मेरे काम को इतना पसंद करते हैं। मैं कपिल का भी शुक्रगुजार हूं कि मैं ऐसे एक शो का हिस्सा रहा, जिसमें अभी मैं नहीं हूं फिर भी इतना प्यार मुझे मिलता है। थैंक्यू ऑडियंस। फ्यूचर का तो मुझे पता नहीं लेकिन अभी मैं अपने शो को लेकर बिजी हूं। यह मेरा बड्डी यानी कि बख्तियार मुझे नहीं छोड़ेगा। क्या उन्होंने कपिल का नया शो देखा तो अली ने कहा, नहीं मैंने कपिल का नया शो नहीं देखा क्योंकि मैं ट्रैवल कर रहा था। मैं कुछ फिल्मों में भी काम कर रहा हूं जिसकी शूटिंग छोटे गांव में हुई है और वहां सही से नेटवर्क भी नहीं आ रहे थे। इसके बाद मैं अपनी बेटी के एडमिशन में बिजी हो गया और अगले महीने मैं एक लंबे टूर पर जा रहा हूं। तो इतने काम में बिजी होने की वजह से मैं शो नहीं देख पाया। लेकिन मैं जानता हूं कि यह बेस्ट टीम ने साथ में काम किया है तो शो अच्छा ही होगा। क्या अपने शो में वह कपिल शो के दोस्तों को बुलाएंगे तो इस पर अली ने कहा, हमें अच्छा लगेगा अगर कृष्णा अभिषेक-सुदेश लहरी, कीकू शारदा-राजीव ठाकुर आएंगे। ये सभी दोस्त हैं। फ्यूचर में हम प्लान बनाएंगे कि अगर शो के रिक्वायरमेंट के हिसाब से वे आ पाएं तो उनका हमारे शो में बिल्कुल स्वागत है। यह भी देखना होगा कि वो अवेलेबल हैं कि नहीं क्योंकि वे भी काम कर रहे हैं। यह कोई दबाव वाला शो नहीं है।

प्रीति जिंटा ने 1974 को बताया अपने करियर की सबसे मुश्किल फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा इन दिनों सनी देओल के साथ फिल्म लाहौर 1947 की शूटिंग में व्यस्त थीं। लेकिन उन्होंने इसकी शूटिंग पूरी कर ली है और इसकी जानकारी खुद सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए फैन्स को दी है। इसमें एक्ट्रेस ने आमिर खान, सनी देओल समेत अन्य को थैंक यू भी कहा है। साथ ही इस प्रोजेक्ट को अपने करियर की सबसे मुश्किल फिल्म बताया है। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों कहा। प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया। वीडियो की शुरुआत लाहौर 1947 की स्क्रिप्ट की झलक से हुई, उसके बाद फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद केक दिखाया गया। प्रीति ने फिल्म के निर्देशक राजकुमार संतोषी, सिनेमेटोग्राफर संतोष सिवन और फिल्म की टीम के साथ भी पोज दिया। वीडियो में फूलों का गुलदस्ता भी देखने को मिला।

प्रीति जिंटा ने पूरी की लाहौर 1947 की शूटिंग

वीडियो को शेयर करते हुए प्रीति ने लिखा, लाहौर 1947 की शूटिंग पूरी हो गई है और मैं इस शानदार अनुभव के लिए पूरी कास्ट और क्रू की बहुत आभारी हूं (हाथ जोड़कर और लाल दिल वाली इमोजी)। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी इस फिल्म की उतनी ही तारीफ करेंगे और इसका आनंद लेंगे, जितना हमने इसे बनाते समय लिया है। यह निश्चित रूप से सबसे कठिन फिल्म है, जिस पर मैंने काम किया है। उन्होंने यह भी कहा, पिछले कुछ महीनों में सभी ने जो कड़ी मेहनत और धैर्य दिखाया है, उसके लिए सभी को पूरे नंबर दिए जाते हैं। राज जी, आमिर, सनी, शबाना जी, संतोष सिवन और एआर रहमान को तहे दिल से धन्यवाद। हमेशा ढेर सारा प्यार।

प्रीति जिंटा ने दिया था अपडेट

प्रीति इस मूवी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं, जिसमें वह सनी देओल के साथ नजर आएंगी। अप्रैल में, प्रीति ने सोशल मीडिया पर कई ब्लैक फोटोज शेयर करके फैंस को फिल्म की मेकिंग की झलक दिखाई थी। फिल्म के क्लैपरबोर्ड की एक तस्वीर शेयर करते हुए प्रीति ने कैप्शन दिया था, लाहौर 1947 के सेट पर। एक और तस्वीर में अभिनेता राजकुमार संतोषी के साथ एक कैंडिड मोमेंट शेयर करते हुए नजर आए थे।

कपिल के शो में नजर आएंगे राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर

कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में पिछले हफ्ते अनिल कपूर और फराह खान ने दर्शकों को हंसाने में सफलता प्राप्त की थी। अब कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दसवें एपिसोड के साथ और ज्यादा मनोरंजन लाने के लिए तैयार हैं। आने वाले एपिसोड में मिस्टर एंड मिसेज माही स्टार राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर दर्शकों को अपनी बातों से हंसाने का प्रयास करेंगे। हाल ही में मेकर्स ने इस नए एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है, जिसे देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए है। कपिल शर्मा के शो का प्रोमो शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा- हंसी से सिक्सर के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि मिस्टर एंड मिसेज माही यानी जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव कपिल और उनकी गैंग से मिलने आ रहे हैं। कपिल के इस शो को आज नेटफ्लिक्स पर प्रसारित किया जाएगा। रात 8 बजे से 9 के मध्य दर्शक इसे देख सकेंगे। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मेकर्स ने जो प्रोमो शेयर किया, उसमें राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर के साथ कपिल शर्मा के साथ मंच शेयर करते हुए एक हंसी-भरा एपिसोड दिखाया गया। वीडियो की शुरुआत जाह्नवी के सेट पर गेम खेलने से होती है। कपिल ने मजाकिया अंदाज में राजकुमार से पूछा, जो पहले फिल्म रूही में जाह्नवी के साथ काम कर चुके हैं, जहां उन्होंने एक भूत का किरदार निभाया था, क्या उन्होंने उन्हें अपनी पिछली फिल्म में भूत के रूप में ज्यादा डराया था या मिस्टर एंड मिसेज माही में एक पत्नी के रूप में। राजकुमार मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं, प्यार में चाहे भूत हो या पत्नी, सब एक ही है। वहीं इसके बाद कपिल जाह्नवी के लिए एक सेगमेंट पेश करते हैं जहां कई लोग एक्ट्रेस को इंप्रेस करने का ट्राई करते हैं। कपिल जाह्नवी की खिंचाई करते हुए ये भी पूछते हुए नजर आते हैं कि आप सेम इंटरेस्ट का लाइफ पार्टनर चुनेंगी या जिस शिखर पर आप हैं... जाह्नवी कपिल की इतनी बात सुनते ही शरमा जाती हैं।

अभिनेता मनोज बाजपेयी को मिला मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

अपनी हालिया रिलीज भैया जी के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया बटोरने वाले बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने सिर्फ एक बंदा काफी है में अपने काम के लिए मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम किया है। बता दें कि 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और 'भैया जी' दोनों का ही निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। अवॉर्ड मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए मनोज ने कहा, इस सम्मान के लिए मूवीफाइड, दर्शकों और मेरे लिए वोट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। मुझे सिर्फ एक बंदा काफी है के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। मार्केट में बहुत कम वास्तविक पुरस्कार हैं, लेकिन जब आपको कोई ऐसे पुरस्कार मिलता है तो आपकी खुशी की कोई सीमा नहीं होती। फिल्म उद्योग की चकाचौंध और ग्लैमर के बीच अभिनेता ने विनम्रतापूर्वक अपनी सफलता के पीछे के गुमनाम नायकों और अपने परिवार का नाम लिया। उन्होंने कहा, मैं यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित करता हूं। वे मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वह मेरा ख्याल रखते हैं ताकि मैं बाहर जा सकूं और वास्तव में काम में खुद को डुबो सकूं। मनोज बाजपेयी ने अपूर्व सिंह कार्की के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपूर्व सिंह कार्की एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने मुझे उस समय बहुत सहयोग दिया जब मैं दीपक किंगरानी नामक लेखक और सह-कलाकार की भूमिका निभा रहा था।

इंडियन 2 में नहीं दिखेंगी काजल अग्रवाल

सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में, फिल्म का ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम हुआ, जिसमें एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। चेन्नई में आयोजित हुए ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में इंडियन 2 फिल्म से जुड़े तमाम लोग शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मौके पर फिल्म का निर्देशन करने वाले शंकर शनमुगम ने अपनी घोषणा से सभी को चौंका दिया। इंडियन 2 पर नजर बनाए हुए लोग जानते होंगे कि इस फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी अभिनय कर रही हैं, लेकिन शंकर ने अपने एलान में कुछ और ही खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि काजल अग्रवाल इंडियन 2 में नजर नहीं आएंगी, बल्कि इंडियन 3 में दिखाई देंगी।

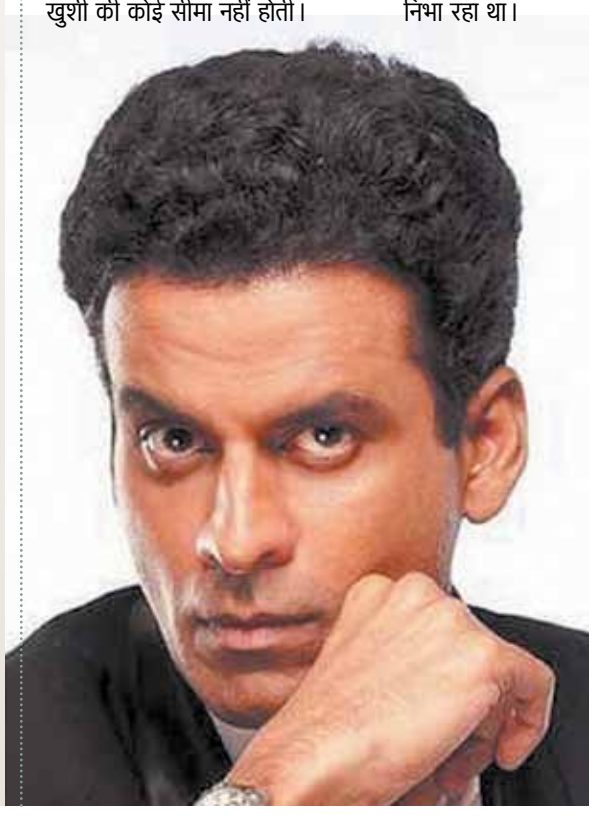

एक्टर्स की फीस को लेकर बोले अभिषेक बनर्जी

फेमस एक्टर और कास्टिंग डायरेक्टर अभिषेक बनर्जी ने इंडस्ट्री से जुड़े एक सच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई बार फिल्म के सपोर्टिंग एक्टर्स स्टार्स के बॉडीगार्ड्स से कम कमाते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अभिषेक ने एक्टर्स की बढ़ती हुई फीस पर चर्चा की। उन्होंने फिल्म के बजट पर एक्टर्स की फीस का क्या असर होता है, इसपर भी बात की। उन्होंने कहा- ये पूरी तरह एक्टर के स्टार होने पर निर्भर करता है। इसमें एक्टर को दोष नहीं दे सकते। इस चीज को प्रोड्यूसर्स तय करते हैं। मैं कई सालों तक कई फिल्मों और शोज का कास्टिंग डायरेक्टर भी रहा। स्टार्स कभी-कभी बेफिजूल की डिमांड करते हैं। उसकी वजह से कई एक्टर्स को पैसे नहीं मिलते।

सपोर्टिंग एक्टर्स को कम पैसे मिलते हैं

अपनी बात को बढ़ाते हुए अभिषेक ने कहा- मेकर्स मुझसे कहते हैं कि कम पैसे में एक्टर्स को कास्ट करो। मुझे नहीं मालूम है कि बड़े स्टार्स को ये बात पता है या नहीं। यही कारण है कि कई बार अच्छे एक्टर्स को मूंगफली के दाने जितना पैसा मिलता है। उन्होंने कहा- ये सच कि बड़े स्टार्स ही दर्शकों को थिएटर तक खींचकर लाते हैं। लेकिन सपोर्टिंग एक्टर्स भी इसमें वैल्यू डालते हैं। उनकी मेहनत को हम नकार नहीं सकते हैं। किसी-किसी एक्टर्स को तो स्टार्स के बॉडीगार्ड से भी कम पैसे मिलते हैं। अभिषेक बताते हैं कि फिल्म का पूरा बजट स्टार्स के पास जाता है। इस वजह से सपोर्टिंग एक्टर्स के बजट में कटिंग होने लगती है। ये उनको शुरू से ही डीमोटिवेट करता है या तो फिर आप किसी ऐसे आदमी से उन्हें रिप्लेस कर देते हैं, जो अपना काम अच्छे से करना ना जानते हो। इन सबका असर स्क्रीन पर भी दिखाई देता है। इसकी वजह से अगर फिल्म फ्लॉप होती है तो मेकर्स ऐसे शॉक में चले जाते हैं, जैसे उन्हें पता ही नहीं की क्या हो रहा है। अभिषेक के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के साथ स्त्री 2 में नजर आएंगे। इसके अलावा वो जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा में भी दिखाई देंगे।

आगे भी मूवी में गाने के पैसे नहीं लूंगा फैलाई गई थी ये बातें

तकरीबन तीन दशक संगीत को दे चुके जाने-माने गायक सुखविंदर सिंह ने जय हो जैसे ऑस्कर विनिंग गाने को गाकर देश का नाम दुनिया भर में ऊंचा किया है। हाल ही में लापता लेडीज और गबरू गैंग में रोमांटिक गाने के कारण चर्चा में रहे सुखविंदर ने फिल्मों में निःशुल्क गाने का फैसला किया है। उनसे एक खास बातचीत।

एक अरसे से मोटिवेशनल गानों के बाद अब आपने रोमांटिक गानों की ओर रुख किया है, कोई खास कारण?

असल में आज से 4-5 साल मैंने देखा कि लोगों को किसी न किसी कारण डिप्रेशन सता रहा है तो मैं मोटिवेशनल गानों की ओर आकर्षित हुआ। 6 साल तक मैंने सुल्तान, सिंघम, दबंग, दबंग 2, सिंघम 2, टाइगर जिंदा है, टाइगर, संजू जैसी फिल्मों में जम कर मोटिवेशनल गाने गाए, मगर कुछ समय पहले से मुझे लगने लगा कि अब रोमांटिक और पेपी सॉन्ग गाने चाहिए। नए दौर के संगीतकार और गीतकार मेरी तरफ आ ही नहीं रहे हैं, क्योंकि मेरे बारे में ये फैलाया गया कि सुखविंदर का जितना बजट है, उसे वे अफोर्ड ही नहीं कर सकते। तब मैंने सभी को फोन और मेल पर सूचित किया कि मैंने अपना बजट जीरो कर दिया है। चाहे वो करण जौहर जैसा बड़ा निर्माता हों या कोई नया फिल्मकार तो करण जौहर की ए वतन मेरे वतन, लापता लेडीज का डाउटवा गाना, जैसे 23 गाने मैंने बिना पारिश्रमिक के किए। अब मैं अपने गानों के लिए चार्ज नहीं करने वाला। मेरा गुजारा शोज और ऐड फिल्मों से हो जाता है। इसके पीछे मेरा कोई एजेंडा नहीं है, बस मैं नए लोगों के साथ काम करना चाहता हूं। हाल ही में गबरू गैंग का रोमांटिक गाना गाकर बहुत मजा आया।

म्यूजिक बेस्ड रियलिटी शोज कल्चर में प्रतिभागियों पर जीत के दबाव को लेकर आपकी क्या सोच है? हालांकि अतीत में हमें सोनू निगम, श्रेया घोषाल और अरिजीत जैसे गायक इन शोज से ही मिले हैं?

म्यूजिक रिएलिटी शोज में जब बच्चों को भेजा जाता है, तो उस वक्त उनके जो मेंटॉर्स और माता-पिता हैं, उन्हें उनके जीवन में संगीत और पढ़ाई -लिखाई का बैलेंस करना होगा। आपने जिन गायकों का नाम लिया, वे 15-20 साल पहले के गायक हैं। आजकल के बच्चों में मैं काफी आक्रामकता देखता हूं। उस जमाने के रियलिटी शोज में पैशन हुआ करता था, भय नहीं था। आज कल के प्रतियोगियों में डर ज्यादा है कि कहीं हार न जाएं। मुझे लगता है कि बीते कई सालों से म्यूजिकल रियलिटी शोज के विजेता और कहीं क्यों नहीं दिखाई देते? क्योंकि उनके एक ही पक्ष पर ध्यान दिया जाता है।

आपके संगीतमय सफर का सबसे कठिन दौर कौन-सा था?

सबसे कठिन दौर वो था, जब किराया देने के पैसे नहीं होते थे। हालांकि उस वक्त इस गम ने कभी नहीं सताया कि हमारा क्या होगा? उन दिनों मैं जुहू में रहता था और उस वक्त भी मेरे साथ तीन सेवादार तो साथ चलते ही थे। हालांकि मुसीबत के समय में एक शो के दस-पंद्रह हजार मिल जाते और आखिरी वक्त में काम तो निकल जाता ही था। उन दिनों मैं खूब पैदल चलता था। कई बार मैं टाउन से पैदल चलते हुए जुहू तक भी आया हूं। भूखे रहने की नौबत नहीं आई, क्योंकि हम उस कौम के लोग हैं, जहां लंगर लगते हैं और ये गुरुद्वारे में ही नहीं बल्कि घरों में भी लगते हैं। वैसे भी मैं बचपन से ही लंगरों में पला हूं। जब मैं छोटा था, तब श्री दरबार साहिब (गोल्डन टेंपल) को समर्पित था। मेरा नाम वहां सितारा रखा गया था। आगे चलकर में वहां गुरुबानी गाया करते था, जो संगीत की दुनिया में आने के बाद मैंने हल्ला बोल में गाई भी। उन दिनों केले खाकर और घर की छत पर दंड बैठक लगाकर रियाज में मस्त रहता था।